संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 05
पृष्ठ 8
शुक्रवार
20 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- समय से पहले होने ...

विचार- दिल्ली की तीसरी महिला ...

खेल- कौन हैं हसन महमूद ...

जम्मू-कश्मीर को अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार की 'राजनीतिक जागीरदारी' से मुक्त कराना : मोदी

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए जम्मू–कश्मीर के लोगों की प्रशंसा करते हुए गुरुवार को कहा कि उनका अंतिम मिशन केंद्र शासित प्रदेश को तीन परिवारों– अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार की 'राजनीतिक जागीरदारी' से पूरी तरह मुक्ति दिलाना है। श्री मोदी ने यहां शेर–ए–कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम सोनवार में खचाखच भरी जनसभा में यह बात कही। उन्होंने अपना भाषण कश्मीरी में शुरू किया,"म्यानीन सारनी केशरें बयान, ते बेनीन चू मायने तरफे नमस्कार (मेरे सभी कश्मीरी भाइयों और बहनों को नमस्कार)। जब भीड़ 'मोदी, मोदी' चिल्ला रही थी, तो प्रधानमंत्री ने मंच से कहा,"यह नया कश्मीर है। हमारा प्रयास जम्मू–कश्मीर की प्रगति और विकास है। मैं आज देख सकता हूं कि मेरे भाई–बहन खुशामदीद पीएम (स्वागत है पीएम) के नारे लगा रहे हैं। मैं आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।" श्री मोदी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र का उत्सव चल रहा है। उन्होंने कहा,"कल सात जिलों में पहले चरण का चुनाव हुआ, पहली बार आतंकवाद की छाया के बिना चुनाव हुए। यह वास्तव में गर्व का क्षण था कि कल इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के लिए निकले।" प्रधानमंत्री ने कहा,"किश्तवाड़ में 80 प्रतिशत, डोडा में 71 प्रतिशत से अधिक, रामबन में 70 प्रतिशत और कुलगाम में 62 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। इस प्रतिशत ने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। जम्मू–कश्मीर के लोगों ने इतिहास में एक नया अध्याय लिखा है।" उन्होंने कहा कि आज दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू–कश्मीर के लोग भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा,"इसके लिए मैं जम्मू–कश्मीर के लोगों को बधाई देता हूं।" राज्य के दर्जे के बारे में श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है और यह भाजपा ही करेगी। अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार के खिलाफ अपने हमले को जारी रखते हुए श्री मोदी ने कहा कि दिल्ली से लेकर जम्मू–कश्मीर तक ये पार्टियां बेचैन हैं। उन्होंने कहा, "इन तीन परिवारों ने जम्मू–कश्मीर के लोगों में डर और अनिश्चितता पैदा की है। लेकिन अब समय बदल गया है, हम लोगों को इन परिवारों के जाल में नहीं फंसने देंगे।" श्री मोदी ने कहा कि उनका मिशन आतंकवाद को हराना है और जम्मू–कश्मीर को फिर से परिवारवाद का शिकार नहीं बनने देना है। उन्होंने कहा,"ये पार्टियां बच्चों को स्कूल जाने से वंचित करने के लिए जिम्मेदार हैं। नेशनल कांफ्रेंस (नेका), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस जैसी पार्टियां स्कूलों को जलाने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया।" श्री मोदी ने कहा कि उनका मिशन जम्मू–कश्मीर के युवाओं को पर्याप्त अवसर प्रदान करना है ताकि वे अपने भविष्य का चुनाव अपने ही देश में कर सकें। उन्होंने कहा कि 1980 से ये तीनों परिवार जम्मू–कश्मीर को अपनी 'राजनीतिक जागीर' मानते आ रहे हैं, इसलिए वे कभी भी पंचायत, ब्लॉक विकास परिषद और जिला विकास परिषद (डीडीसी) के चुनाव कराने में रुचि नहीं रखते थे। उन्होंने कहा,"वे जानते थे कि अगर वे ये चुनाव कराएंगे, तो नए चेहरे सामने आएंगे और वे इन पार्टियों को चुनौती देंगे।" उन्होंने कहा कि कश्मीर एक पवित्र स्थान है, जिसे तीनों पार्टियों ने 35 साल तक बर्बाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा,"इस जगह पर हजरतबल, चरार–ए–शरीफ, ख्वाजा नक्शबंद दरगाह, शंकराचार्य और माता ज्येष्ठा देवी मंदिर हैं। लेकिन तीनों पार्टियों ने जम्मू–कश्मीर में काले दिन ला दिए। एक समय ऐसा भी था जब सूरज ढलने से पहले लाल चौक बंद हो जाता था। हाल के दिनों तक लाल चौक जाना मौत को दावत देने जैसा था। लेकिन अब बाजार देर रात तक खुला रहता है। ईद और दिवाली एक साथ सौहार्द के साथ मनाई जाती है। इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं और हर कोई सम्मान के साथ अपनी आजीविका कमा रहा है।" उन्होंने लोगों से पूछा,"यह सब किसने किया?" श्री मोदी ने कहा कि तीनों पार्टियों ने कश्मीरी पंडितों को भी नहीं बख्शा और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा,"सिखों को भी क्रोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने नफरत फैलाई। भाजपा दिल और दिल्ली की दूरी को कम करके एक बार फिर लोगों को एकजुट कर रही है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 35 सालों में 3000 दिन हड़ताल और बंद के रहे।

राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं सफाई मित्र : मुर्मू

उज्जैन, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज सफाई मित्रों का सम्मान करते हुए कहा कि सफाई मित्र राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं और उनका सम्मान करके हम वास्तव में अपना गौरव बढ़ा रहे हैं। श्रीमती मुर्मू मध्यप्रदेश के अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान यहां इंदौर–उज्जैन सिक्स लेन रोड के भूमिपूजन कार्यक्रम एवं सफाई मित्र सम्मेलन को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान राज्यपाल मंगु भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट और गौतम टेटवाल भी उपस्थित थे। समारोह के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने कहा कि उन्होंने जनसेवा का कार्य स्वच्छता कार्यों से ही शुरु किया था। वे साफ सफाई के काम का निरीक्षण करती थीं। सफाई मित्रों से भी बात करती थीं। उन्होंने कहा कि अब स्वच्छता जन आंदोलन बन गया है। स्वच्छ भारत मिशन से देश में जागरुकता बढ़ी है। खुले में शौच से मुक्ति के लिए 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। महिलाओं की गरिमा बनाए रखने में इस अभियान की अहम भूमिका है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन से बच्चों की मृत्यु दर में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का इंदौर लगातार सात बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है। भोपाल भी सबसे स्वच्छ राजधानी है। स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की कई उपलब्धियां हैं। समारोह में उन्होंने चार महिलाओं समेत पांच सफाई मित्रों का सम्मान किया। इस सम्मान के संदर्भ में उन्होंने कहा कि सफाई मित्र अग्रिम पंक्ति के स्वच्छता योद्धा हैं, जो हमें बीमारी और गंदगी से सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभा रहे हैं। सफाई मित्रों का सम्मान करके हम वास्तव में अपना गौरव बढ़ा रहे हैं। सफाई मित्रों की गरिमा, सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करना सरकार और समाज का अहम दायित्व है। इनके कल्याण के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की कई योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में कई शहरों को सफाई मित्र सुरक्षित शहर घोषित किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण के तहत हमें संपूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य प्राप्त करना है। समारोह में राष्ट्रपति ने इंदौर–उज्जैन सिक्स लेन का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आधुनिक विकास के लिए कई प्रयास हो रहे हैं। राज्य में रेलवे और एयर कनेक्टिविटी लगातार बढ़ रही है।

आतिशी के साथ ये पांच नेता लेंगे मंत्री पद की शपथ, एक नए नाम को भी मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मनोनीत मुख्यमंत्री आतिशी और उनका मंत्रिमंडल 21 सितंबर को पद की शपथ लेगा। आतिशी शनिवार को 5 कैबिनेट मंत्रियों के साथ शपथ लेंगी। सत्तारूढ़ दल ने शुरू में तय किया था कि केवल आतिशी ही शपथ लेंगी, हालांकि बाद में यह तय हुआ कि उनकी मंत्रिपरिषद भी शपथ लेगी।

आतिशी के साथ शपथ लेने वाले नेताओं के भी नाम सामने आ गए है। सूत्र बता रहे हैं कि दिल्ली के चार अन्य मंत्री कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय और इमरान हुसैन कैबिनेट पद बरकरार रखने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा नए नाम के तहत मुकेश अहलावत की भी चर्चा जोरो पर है। कहा जा रहा है कि वह भी नई एंट्री के तहत आतिशी मंत्रिमंडल में शपथ ले सकते हैं। इससे पहले आतिशी वित्त, शिक्षा और राजस्व जैसे 14 विभागों का प्रबंधन कर रही थीं और अरविंद केजरीवाल के कारावास के दौरान उनकी भूमिका भी महत्वपूर्ण थी। कांग्रेस की शीला दीक्षित और बीजेपी की सुषमा स्वराज के बाद आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनेंगी। हालाँकि आतिशी को व्यापक रूप से इस भूमिका के लिए सबसे आगे देखा जा रहा था, क्योंकि उनके अरविंद केजरीवाल और उनके डिप्टी मनीष सिसोदिया दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध थे, लेकिन केजरीवाल के उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज थीं।

कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी

● पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने बयान पर भड़के अमित शाह

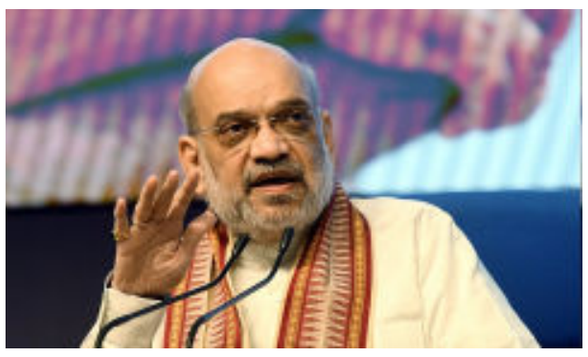

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली के मुद्दे पर शहबाज शरीफ सरकार और कांग्रेस–नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन एक ही पेज पर थे। यह टिप्पणी जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बीच आई है, जो 2019 में पूर्ववर्ती राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद पहली बार है। अब इसी को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसको लेकर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधा है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35ए पर कांग्रेस और जेकेएनसी के समर्थन की बात ने एक बार फिर कांग्रेस को एक्सपोज कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इस बयान ने पुनः यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गाँधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत माँगने हों, या भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करना हो, राहुल गाँधी की कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान के सुर हमेशा एक रहे हैं और कांग्रेस का हाथ हमेशा देशविरोधी शक्तियों के साथ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लेकिन, कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान यह भूल जाते हैं कि केंद्र में मोदी सरकार है, इसलिए कश्मीर में न तो आर्टिकल 370 वापस आने वाला है और न ही आतंकवाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद जेकेएनसी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। फारुक अब्दुल्ला ने कहा मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान क्या कहता है। मैं पाकिस्तानी नहीं हूं, मैं एक भारतीय नागरिक हूं।

घड़ियाली आंसू बहाते हैं कांग्रेसी : जेपी नड्डा

रोहतक, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरियाणा के रोहतक में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में हमने सरकार बनाई। अब यही अभिलाषा और इच्छा लेकर हम चले हैं कि हरियाणा की जनता का आशीर्वाद मिले और तीसरी बार भी हम यहां कमल का परचम लहराएं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव सिर्फ भाजपा की सरकार बनाने का नहीं है। ये चुनाव हरियाणा की गति को चलाए रखने का चुनाव है। ये चुनाव हरियाणा को पटरी पर रखने का चुनाव है। इसलिए आपके कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जेपी नड्डा ने कहा कि बहुत से ऐसे लोग होंगे जो पहली बार मतदान कर रहे होंगे और 10 साल पहले वो 8 बरस के होंगे, उनको मालूम नहीं होगा कि... यहां की सड़कें कैसी थीं, 10–10 घंटे गांव में बिजली गुल रहती थी, किसानों के खेत में पानी नहीं पहुंचता था, पर्ची पर नौकरी देने के कारण लोगों को सजाएं हुईं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के 10 साल के दौरान न कोई जमीन घोटाला हुआ और न ही पर्ची पर नौकरी लगी। उन्होंने लोगों से कहा कि आपको याद रखना है, जो प्रदेश पर्ची पर नौकरी देता था, वो आज नौकरी मेरिट पर देता है।

राजीव गांधी से हाथ मिलाकर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को जेब में डाला : महबूबा

● कहा– युवाओं के लिए अभी भी खोद रहे कब्र

जम्मू एजेंसी। जम्मू कश्मीर में पहले चरण की वोटिंग हो चुकी है। दूसरे चरण में 25 सितंबर को वोटिंग होगी। राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मुफ्ती साहब (मुफ्ती मोहम्मद सईद) ने बहुत कोशिश की, 50 साल में कांग्रेस को खड़ा किया (जम्मू–कश्मीर में)। जब कांग्रेस यहां स्थापित हुई, तो फारूक साहब ने राजीव गांधी से हाथ मिलाया और कांग्रेस को अपनी जेब में डाल लिया। उन्होंने अभी–अभी एक व्यक्ति को मौत की सजा दी है, जिसका मैं नाम नहीं लूंगी। उन्होंने 1987 के चुनावों में धांधली की और ऐसी स्थिति बना दी कि जम्मू–कश्मीर के लोग अभी भी युवाओं के लिए कब्र खोद रहे हैं। अगस्त 2019 में अनुच्छेद–370 को निरस्त किए जाने और जम्मू–कश्मीर को दो केंद्र–शासित प्रदेश (जम्मू–कश्मीर और लद्दाख) में बांटे जाने के बाद से वहां पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। वर्ष 2022 में परिसीमन के बाद जम्मू–कश्मीर में विधानसभा सीटों की संख्या 87 से बढ़कर 90 हो गई, जिनमें से 47 सीट कश्मीर घाटी में और 43 सीट जम्मू में हैं। चुनाव मैदान में निर्दलीय उम्मीदवारों की अधिक संख्या को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका), कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने आरोप लगाया कि इन्हें दिल्ली से समर्थन मिल रहा है। तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कुल 365 उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में पर्चा भरा है।

हिमेश रेशमिया के पिता एवं संगीत निर्देशक विपिन रेशमिया का निधन

मुंबई, एजेंसी। दिग्गज संगीत निर्देशक और गायक हिमेश रेशमिया के पिता विपिन रेशमिया का निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। विपिन रेशमिया ने बुधवार को रात 8:30 बजे मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। विपिन रेशमिया को सांस लेने में तकलीफ और उम्र से संबंधित स्वास्थ्य जटिलताओं के कारण भर्ती कराया गया था। उनका अंतिम संस्कार आज जुहू में किया जाएगा, जहां उनका पार्थिव शरीर सबसे पहले घर लाया जाएगा। विपिन रेशमिया को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिये याद किया जाता है।

प्रयागराज में बच्चे को जबरन गोद लिया: उज्ज्वला योजना के नाम पर ले लिए आधार कार्ड और फोटो, फिर बनवा लिए दस्तावेज, FIR

प्रयागराज। प्रयागराज में एक बच्चे को जबरन गोद लेने का मामला सामने आया है। महिला का कहना है कि एक परिवार ने फर्जीवाड़ा किया। उज्जवला योजना में गैस सिलेंडर दिलाने के नाम पर आधार कार्ड, सबकी फोटो और अन्य पेपर ले लिए फिर उसी पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर यह दर्शा दिया कि बच्चा लिखा पढ़ी में गोद दिया गया है। महिला का आरोप है कि उसके चार साल के बच्चे को घुमाने के बहाने परिवार ले गया और अपने पास रख लिया। महिला ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो अदालत के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू हुई है। शहर के मोरी दारागंज इलाके की रहने वाले सुमन गुप्ता के पति राजू गुप्ता की मौत हो चुकी है। सुमन के 4 साल का एक बेटा ओम और 9 साल का बेटा उमंग है। सुमन ने तहरीर देकर बताया कि पड़ोस में रहने वाली मुंहबोली मामी ऊषा देवी, उसके साथ प्राची पाठक, अंजनी गुप्ता और मुरारी गुप्ता ने संपर्क किया। कहा कि विधवा गरीब महिला हो। ऐसे में उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर और अन्य सुविधाएं दिलवा देते हैं। उन लोगों ने कहा कि सरकारी सुविधाओं के लिए आधार कार्ड, बच्चों की एक साथ फोटो, सबकी अलग–अलग फोटो आदि ले ली। यह घटना 16 जुलाई 2022 की है। महिला का कहना है कि उसी दिन यह सभी लोग छोटे बेटे को घुमाने के बहाने ले गए और जबरन अपने पास रख लिया। महिला का कहना है कि इन लोगों ने बच्चे ओम को ले जाकर मिर्जापुर के थाना कटरा गनेशगंज इमरती चौराहा के रहने वाले आनंद कुमार मोदनवाल को गोद दे दिया। महिला का कहना है कि बच्चे को जबरन गोद लिए जाने के विरोध में वह कई बार इन लोगों के पास गई तो उसे धमकी देकर भगा दिया गया। कागजात दिखाए गए कि लिखा–पढ़ी में गोद लिया गया है। इस बीच महिला का कहना है कि वह पुलिस अधिकारियों तक दौड़ती रही लेकिन हर जगह उन्होंने फर्जी दस्तावेज दिखा दिए। महिला ने अंत में जिला अदालत में गुहार लगाई तो कोर्ट के आदेश पर अब दारागंज थाने में सभी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ है। दारागंज पुलिस का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट कर जांच की जा रही है। उस पक्ष का कहना है कि बच्चे को महिला की रजामंदी से गोद लिया गया था। सभी का बयान दर्ज किया जाएगा।

प्रयागराज के वैज्ञानिक की आपत्ति पर सिंगापुर में हरित सड़क की होगी जांच, पीएमओ ने चिट्ठी का भेजा जवाब

प्रयागराज। सिंगापुर में गैर पुनर्चक्रणीय प्लास्टिक कचरे का उपयोग करके हरित सड़क बनाई जाएगी। सिंगापुर के एक समाचार पत्र में यह खबर प्रकाशित होने पर जब सिंगापुर के कुछ वैज्ञानिकों ने प्रयागराज के वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर से संपर्क किया तो उन्होंने सिंगापुर के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इसके खतरे बताए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से वापस जवाब आया कि यह संवेदनशील मसला है और इसकी जांच की जाएगी। डॉ. अजय सोनकर माइक्रोप्लास्टिक पर कई वर्षों से शोध कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके शोध को काफी सराहा गया है। डॉ. सोनकर के अनुसार पिछले दिनों सिंगापुर के एक समाचार पत्र में जब यह समाचार प्रकाशित हुआ कि वहां गैर पुनर्चक्रणीय प्लास्टिक से हरित सड़क बनाई जाएगी तो वहां के कुछ वैज्ञानिकों ने उनसे संपर्क किया। डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि माइक्रो प्लास्टिक पर शोध के दौरान आए दिन नई जानकारियां सामने आ रहीं हैं। शोध में पता चला है कि वाहनों के टायरों की आयु बढ़ाने के लिए अब उसमें प्लास्टिक का उपयोग होने लगा है, जबकि पहले रबर और कपड़े से टायर बनाए जाते थे। वहीं, जूत–चप्पल के सोल में भी प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जा रहा है। वाहन चलाते समय या पैदल चलते वक्त घर्षण के कारण माइक्रो प्लास्टिक तेजी से बनने लगता है। ऐसे में गैर पुनर्चक्रणीय प्लास्टिक का उपयोग करके बनाए जाने वाली हरित सड़क से माइक्रो प्लास्टिक बनने की प्रक्रिया और तेज हो जाएगी। मइक्रो प्लास्टिक खून के रास्ते फेफड़े, दिल, दिमाग में तेजी से पहुंच रहे हैं। इसकी वजह से ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक, दमा जैसी बीमारियों का दायरा बढ़ा है। इससे कैंसर भी हो रहा है।

ट्रामा सेंटर में गिरते पानी से मरीजों में संक्रमण खतरा

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में आने वाले मरीजों को शेड से गिरते पानी से बहुत परेशानी हो रही है। ट्रामा सेंटर के दूसरी मंजिल पर पानी की टंकी टूटी होने के कारण गंदा पानी गेट पर बने शेड पर गिरता है। शेड के गेट पर अंडर ग्राउंड केबल बिछाने के लिए सड़क खोदी गई है। एंबुलेंस से उतार कर स्ट्रेचर पर जब मरीज को ट्रामा सेंटर ले जाते हैं तब उसके ऊपर भी पानी गिरता रहता है। स्ट्रेचर जब गड्ढे में फंस जाता है तब मरीज शेड से गिरते पानी से भीग जाता है। इससे घायल मरीजों को इन्फेक्शन होने का खतरा है।

प्रमुख सचिव नगर विकास के निरीक्षण की तैयारियां शुरू

प्रयागराज। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात गुरुवार शाम सात बजे प्रयागराज आएंगे। अधिकारी यहां पर निरीक्षण करेंगे। गुरुवार सुबह अफसरों ने निरीक्षण के लिए तैयारी शुरू कर दी। दो दिनी प्रयागराज दौरे पर अधिकारी गुरुवार रात को भरद्वाज कॉरिडोर, आईईआरटी आरओबी, अलोपीबाग फ्लाईओवर के साथ ही विद्युत विभाग की परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। जबकि शुक्रवार को सुबह 10रू30 से 12रू30 बजे के बीच मंडलायुक्त, मेलाधिकारी, जिलाधिकारी, लोक निर्माण विभाग, पीडीए, सिंचाई व अन्य विभागों के साथ मेले की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद दोपहर 12रू30 से 2रू30 बजे के बीच नगर आयुक्त व नगर निकाय के अधिशासी अधिकारियों के साथ सीएम अर्बन फैलोज योजना की समीक्षा करेंगे। दोपहर तीन बजे प्रयागराज से सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

छेड़खानी पीड़िता को ही पुलिस ने पीटा, जदयू का प्रदर्शन

प्रयागराज। जनता दल यूनाइटेड के सदस्यों ने बुधवार को पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। आरोप है कि पिछले दिनों घूरपुर में एक नाबालिग लड़की के साथ शोहदों ने छेड़खानी की। विरोध करने पर पुलिस के सामने उसे पीटा और घसीटा। बाद में पुलिस खुद मामले को रफादफा करने में लग गई और इस घटना का विरोध करने और नाबालिग छात्रा के पक्ष में आने वाले नाबालिग युवकों को गिरफ्तार किया। इससे नाराज सदस्यों ने प्रदर्शन किया और घटना की सीबीसीआईडी जांच कराने की मांग की। छात्रा के पक्ष में विरोध करने वालों को बिना शर्त तत्काल रिहा करने की मांग की। इस दौरान जदयू जसरा के अध्यक्ष उमाशंकर भारती, शंकरगढ़ के अध्यक्ष झल्लर आदिवासी, अनु सिंह आदि मौजूद रहीं।

प्रयागराज में ऑर्डर किया हेयर ट्रिमर, मिली झालर: साइबर ठगों ने लगाया 2 लाख का चूना, रिफंड के नाम पर एकाउंट किया खाली

प्रयागराज। प्रयागराज में एक शख्स ने ऑनलाइन शॉपिंग कर हेयर ट्रिमर मंगाया। उसे डिलीवरी ब्वॉय जो पैकेट दे गया, उसमें झालर निकली। इसके बाद ग्राहक ने फोन कर सामान वापस कर दिया। डिलीवरी ब्वॉय आकर सामान वापस ले गया। 3 दिन बाद भी खाते में रुपए वापस नहीं आए। कस्टमर केयर पर संपर्क करने पर एक नंबर दिया गया। ग्राहक ने उस नंबर पर कॉल की तो बैंक से संबंधित जानकारी लेकर साइबर क्रिमिनल ने खाते से ध्1,91,989 रुपए ट्रांसफर कर लिए। 203 रुपए के सामान के चक्कर में करीब दो लाख की चपत लग गई। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कटहुला गौसपुर के रहने वाले सोनू ने अपने मोबाइल से ऑनलाइन हेयर ट्रिमर की बुकिंग की। जिसकी कीमत 203 रुपए थी। 6 सितंबर को डिलीवरी ब्वॉय पैकेट देकर गया। पैकेट खोलने पर उसमें हेयर ट्रिमर की जगह सजाने वाली झालर निकली। सोनू ने डिलीवरी ब्वॉय को फोन कर बुलाया और सामान वापस कर दिया। डिलीवरी ब्वॉय कहा कि रुपए 3 घंटे में खाते में आ जाएंगे। 3 दिन बाद भी रुपए वापस नहीं मिले तो 10 सितंबर को कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर फोन लगाकर शिकायत की।

कस्टमर केयर पर बात करने वाले ने अपना नाम मनीष कुमार मिश्रा बताया। उसने दूसरा नंबर दिया कि इस पर बात करो। वॉट्सऐप नंबर पर कॉल करने के लिए बोला गया। युवक ने उस पर नंबर संपर्क किया तो फोन के आगे का 6 अंक, ईमेल आईडी, आधार कार्ड से चालू सिम के बारे में पूछा गया। बैंक अकाउंट की जानकारी लेने के बाद सोनू के खाते से 3 बार में ध्1,91,989 कट गए। सोनू दूसरे दिन बैंक पहुंचा और अपना खाता फ्रीज कराया। इसके बाद साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज करा दी।

प्रयागराज में बनेगा यूपी का 11वां नारी निकेतन: 120 बंदियों की क्षमता वाली महिला बैरक बनाने की तैयारी, मिलेगी हाईटेक सुविधाएं

प्रयागराज। प्रयागराज में सेंट्रल जेल नैनी में उत्तर प्रदेश का 11वां नारी निकेतन बनने वाला है। सेंट्रल जेल प्रशासन ने बंद हो चुकी महिला बैरक में नारी निकेतन बनाने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। अगर जेल प्रशासन के प्रस्ताव को शासन मंजूर कर लेता है तो केंद्रीय कारागार में बंद महिलाओं और उनके बच्चों के रहने खाने और जीने का तरीका बदल जाएगा। जेल प्रशासन का दावा है कि महिला बैरक में नारी निकेतन बनाना इसलिए ज्यादा मुफीद है, क्योंकि यहां पहले से ही 120 महिला बंदियों को रखने की क्षमता के लिए बिल्डिंग बनी हुई है। खाली स्पेस भी पर्याप्त मात्रा में है। अगर नया निर्माण कराया जाता है तो जगह की समस्या नहीं उत्पन्न होगी और इस 120 की क्षमता को बढ़ाकर 500 तक किया जा सकता है।

1. मौजूदा बैरकों का होगा उपयोग

नैनी सेंट्रल जेल की पुरानी महिला बैरक में पहले से ही 30–30 बंदियों की क्षमता वाले चार बैरक मौजूद हैं, जिससे महिला बंदियों को स्थानांतरित करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी।

2. बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं

जेल प्रशासन ने जो प्रपोजल तैयार किया है उसके मुताबिक जी पुरानी महिला बैरक को नारी निकेतन में कन्वर्ट किया जाएगा वहां पर महिला बंधिया को रखने के साथ–साथ उनके बच्चों के खेलने कूदने के लिए खिलौने स्कूल की व्यवस्था क्रश की व्यवस्था की जाएगी ताकि उनके बच्चों का समुचित विकास हो सके और उचित शिक्षा मिल सके।

3. आधुनिक रसोई और अस्पताल की होगी अलग व्यवस्था

पुरानी महिला बैग में प्रस्तावित नारी निकेतन के अंदर जेल प्रशासन ने महिला बंदियों के रहने खाने और बच्चों की स्कूली शिक्षा की व्यवस्था के साथ–साथ हाईटेक किचन घर और मेडिकल की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए अलग से अस्पताल बनाया जाएगा। जिसमें डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की जाएगी।

4. पर्याप्त जमीन, भविष्य के निर्माण के लिए तैयार

महिला बैरक के आसपास पर्याप्त खाली जमीन मौजूद है, जिससे भविष्य में और निर्माण कार्यों के लिए कोई बाधा नहीं होगी। जरूरत के अनुसार नए निर्माण किए जा सकेंगे।

5. उत्तर प्रदेश का 11वां नारी निकेतन

प्रयागराज के सेंट्रल जेल नैनी में बनने वाला नारी निकेतन उत्तर प्रदेश का 11वां नारी निकेतन होगा। इसके पहले नोएडा, आगरा, वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर, लखनऊ, बरेली, इटावा, फैजाबाद और मेरठ में ऐसे नारी निकेतन बनाए जा चुके हैं।

इस बारे में वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने बताया कि पुरानी महिला बैरक में नारी निकेतन बनाने का प्रस्ताव को शासन को भेज दिया गया है। शासन स्तर से शीघ्र स्वीकृति मिलने की संभावना है, जिसके बाद इस पर कार्य शुरू हो जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद ही पुरानी महिला बैरक को नारी निकेतन के रूप में कन्वर्ट करने का प्रक्रिया शुरू कर दिया जाएगा जिसमें महिला बंधिया और उनके बच्चों को हाईटेक सुविधा मिलेगी।

प्रयागराज में ज्वैलरी व्यापारी की हत्या, खेत में मिला शव: चेहरे पर चोट के निशान, लाश के पास बज रहा था मोबाइल

मेजा। प्रयागराज के मांडा में आभूषण व्यापारी की हत्या कर दी गई है। व्यापारी का शव गांव में धान के खेत में मिला। गांव से गुजर रहे लोगों को खेत से लगातार मोबाइल बजने की आवाज आ रही थी। आवाज सुनते हुए पहुंचे ग्रामीणों ने शव को देखकर पुलिस को मामले की जानकारी दी। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मांडा थाना के गरेथा (आंधी) गांव के रहने वाले संदीप (26) उर्फ सोनू सोनी का शव गुरुवार सुबह धरांवनारा गांव स्थित एक धान के खेत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा है कि सोनू उंचडीह बस स्टॉप बाजार में आभूषण की दुकान चलाता था। देर रात तक सोनू घर नहीं लौटा। पिता संतोष सोनी ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन रात में उसका कुछ पता नहीं चला। गुरूवार सुबह उसका शव ध्रांवनारा गांव में एक धान के खेत में पड़ा मिला। उसकी अपाचे बाइक भी शव के पास ही पड़ी थी। व्यापारी का मोबाइल भी चालू था और मोबाइल पर फोन आने पर भक्ति गीत बज रहा था। ग्रामीणों ने मोबाइल की आवाज सुनकर खेत में दाखिल हुए और शव देखकर उनके होश उड़ गए। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी मांडा पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। जबकि मृतक के चेहरे पर चोट के निशान हैं। पुलिस का कहना है कि सोनू दुर्घटना का शिकार हुआ या साजिश का यह जांच का विषय है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का खुलासा होगा। गौरतलब है कि साल 2018 में सोनू के भाई सौरभ सोनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों का कहना है कि सोनू भी साजिश का शिकार हुआ है।

प्रयागराज में गंगा किनारे बसे इलाकों में डूबे हैं हजारों मकान, बाढ़ का खतरा बरकरार

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार रात से गंगा और यमुना स्थिर हो चुकी हैं। इसके पहले दो दिनों में करीब एक मीटर जलस्तर घटा था लेकिन अभी जलस्तर घटने से अब 2 से 3 दिनों में बाढ़ से राहत मिलने की उम्मीद है, फिलहाल बाढ़ से अभी कोई राहत नहीं मिली है। गंगा और यमुना किनारे बसे दर्जनों इलाकों में बड़ी संख्या में घर डूबे हुए हैं। अभी तक करीब 400 ऐसे परिवारों को बाढ़ शरणालय भेजा गया है जिनके घर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इसमें करीब 1700 लोग शामिल हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, बाढ़ से अभी तक कुल 915 परिवार पीड़ित हैं जिसमें करीब 7 हजार व्यक्ति शामिल हैं। बुधवार रात तक फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.77 मीटर पर आकर स्थिर है। न तो जलस्तर घटा है और न ही बढ़ा है। यही स्थित यमुना का भी है, यमुना 83.04 मीटर पर आकर स्थिर हैं। जबकि डेंजर लेवल 84.734 मीटर है, दो दिन पहले स्थिति यह थी कि जलस्तर डेंजर लेवल के बिल्कुल करीब तक पहुंचा था लेकिन सोमवार से जलस्तर कुछ कम होने लगा था। दो दिन में करीब एक मीटर तक नीचे आने के बाद फिर अब गंगा–यमुना स्थिर हो गई हैं। अपर जिलाधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बाढ़ आपदा कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। बाढ़ पीड़ित इस कंट्रोल रूम नंबर 0532–2641577 व 0532–2641578 पर जानकारी दे सकते हैं।

बुलडोजर एक्शन से पहले मदरसे का 100 पन्नों का जवाब

प्रयागराज नकली नोट केस से सीज हुई मस्जिद, कमेटी बोली- ब्रिटिश हुकूमत ने दी थी मंजूरीय SC भेजी कॉपी

प्रयागराज। प्रयागराज के जिस मदरसे में नकली नोट छापने, बच्चों के ब्रेन वॉश किए जाने का खुलासा हुआ। अब उसका मामला सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तक पहुंचा है। मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी थी। प्रयागराज प्राधिकरण अथॉरिटी (च्च।) ने मदरसा कमेटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अब कमेटी ने पीडीए को 100 पन्नों का जवाब दिया है। कमेटी ने अपने जवाब की कॉपी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को भी भेजी है। कमेटी का कहना है कि मदरसे में मस्जिद है और इसके लिए ब्रिटिश हुकूमत ने इजाजत दी थी। तब प्रयागराज अथॉरिटी का गठन नहीं हुआ था। कमेटी ने अपना पक्ष रखते हुए जरूरी दस्तावेज भी सबमिट किए हैं। मदरसा का नक्शा पास नहीं है। निर्माण से पहले की अनुमति में खानापूर्ति की गई। दस्तावेज में मदरसा का 2700 स्क्वायर फीट वर्ग गज का निर्माण अवैध मिला है। प्रयागराज प्राधिकरण ने नोटिस में कहा था कि 18 सितंबर तक मदरसा कमेटी अपना जवाब दाखिल करे, वरना मदरसा गिरा दिया जाएगा। यह एक्शन 4 सितंबर को लिया था। इससे पहले 27 अगस्त को मदरसे में फेक करेंसी छापते हुए मौलवी समेत 4 आरोपी गिरफ्तार किए गए। प्राधिकरण के मुताबिक– बिना नक्शा पास कराए, मदरसा की 3 मंजिला इमारत बनाई गई। अब तक 2700 स्क्वायर फीट में अवैध निर्माण भी मिले। यह मदरसा शहर के सबसे पॉश इलाकों में शामिल अतरसुइया में है। एरिया करीब 1.5 बीघा है। कार्रवाई करते हुए पीडीए के विशेष कार्याधिकारी संजीव उपाध्याय ने बताया था कि मदरसा कमेटी से पूछा गया था कि निर्माण कैसे और कब–कब कराया गया। मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिद–ए–आजम डॉक्टर पांडेय चौराहा के करीब है। रोड से बिल्कुल करीब यह मदरसा शहर के पॉश इलाके में है। कीमत का अंदाजा ऐसे लगा सकते हैं कि मदरसे से सटा 100 वर्ग गज का मकान 1 करोड़ कीमत का है। ऐसे में मदरसे की कीमत करीब 100 करोड़ की है। यहां का पता 140 मदरसा कंपाउंड अतरसुइया है, जिसकी दूरी थाने से दूरी सिर्फ 1 किमी है। मदरसा कमेटी ने अपने जवाब की रिपोर्ट में पुराने नक्शे और अन्य दस्तावेज सबमिट किए हैं। कमेटी ने कहा– मदरसा कैंपस का सभी निर्माण पूरी तरह वैध है। सभी निर्माण विकास प्राधिकरण समेत दूसरे सरकारी विभागों की अनुमति के बाद हुए हैं। मदरसा परिसर में स्थित मस्जिद–ए–आजम 300 साल से ज्यादा पुरानी है। मदरसे की स्थापना 84 साल पहले 1940 में की गई थी। कमेटी ने कहा– उस वक्त निर्माण के लिए ब्रिटिश हुकूमत से मंजूरी ली गई थी। देश की आजादी के बाद 1952 में नगर पालिका परिषद से नक्शा पास कराया गया था। उस वक्त प्रयागराज विकास प्राधिकरण अस्तित्व में नहीं था। विकास प्राधिकरण 1973 में अस्तित्व में आया है। इसके बाद 1981 में विकास प्राधिकरण से भी नगर पालिका के नक्शे को मंजूरी दिलाई गई थी।

शिक्षक भर्ती के लिए चयन आयोग के बाहर प्रदर्शन: प्रयागराज में प्रदेश भर के डीएलएड अभ्यर्थी पहुंचे, जमकर की नारेबाजी

प्रयागराज। टीईटी पास डीएलएड अभ्यर्थी आज गुरुवार को प्रयागराज स्थित उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के बाहर धरना प्रदर्शन करने पहुंचे हैं। प्रदेश भर के हजारों अभ्यर्थी गेट पर

पहुंचकर नारेबाजी कर रहे हैं। शिक्षक भर्ती संबंधित मांगों के समर्थन में लिखे स्लोगन व तख्तियां लेकर पहुंचे। डीएलएड अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए आयोग के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स लगा दी गई है। प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर अब सिर्फ मौखिक नहीं बल्कि लिखित आश्वासन की मांग कर रहे हैं। डीएलएड संघ के प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह ने बताया कि आयोग की अध्यक्ष ने आश्वासन दिया था कि प्राथमिक शिक्षक भर्ती के अधियाचन के लिए शासन स्तर पर पहल की जाएगी। लेकिन अभी तक इस पर कोई भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। अब फिर अभ्यर्थी सड़कों उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं।

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष, मंत्री से हाईकोर्ट ने पूछा- हंगामा करने वाले वकीलों की कैसे की पहचान

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालत में मुवक्किलों से मारपीट और न्यायधीश से बदसलूकी मामले में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्रा रज्जू और मंत्री दिनेश चंद्र पांडेय को आज शाम चार बजे कोर्ट में तलब किया है। पूछा है कि सीसीटीवी फुटेज से उन्होंने अधिवक्ताओं की पहचान कैसे की। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की खंडपीठ ने स्वतरू संज्ञान अपराधिक अवमानना याचिका पर दिया है।

इससे पहले भी कोर्ट ने अध्यक्ष और मंत्री को हाजिर हो मामले के निस्तारण में अदालत का सहयोग करने को कहा था, लेकिन अधिवक्ता के जरिए उन्होंने निजी समस्याओं के आधार पर मामले की सुनवाई स्थगित करने की प्रार्थना की थी। जिस पर कोर्ट ने कहा कि कई अवसर दिए जाने के बावजूद वह नहीं आ रहे हैं, जबकि अदालत केवल यह जानना चाहती है कि जिला अदालत में हुए हंगामे में उन्होंने किस आधार पर उन दो अधिवक्ताओं की पहचान की है, जिनके खिलाफ अवमनाना का वाद योजित किया गया है। गौरतलब है कि जिला अदालत में पिछले दिनों रणविजय सिंह आदि वकीलों पर अदालत में हंगामा व मुवक्किलों से मारपीट करने का आरोप लगा था। सिविल जज की शिकायत पर हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर अवमानना की कार्रवाई शुरू की और अधिवक्ताओं की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच का आदेश दिया था। इसके अनुपालन में जिला अधिवक्ता संघ की ओर से हाईकोर्ट के दो अधुवक्ताओं समेत कई अन्य की पहचान करते हुए सूची अदालत को भेजी थी। इसके बाद वकीलों और बार के पदाधिकारियों में विवाद भी हुआ था।

अपनी माटी,मूल्यों और जमुनापारी संस्कृति के अजेय प्रतिनिधि थे सांवरियारू ड॰ पाण्डेय

माटी के बनल पिंजरवा,मटियै में गइले हेराई हो राम .....
सांवरिया स्मृति श्रद्धांजलि सभा में भावुक हुए लोगः

करछना। लोकनाट्य और गंवई बोली की कविताओं को लेकर बीते कई दशकों से जनमन में रचे बसे सांवरिया का निधन लोकसाहित्य जगत, जागृति मिशन और जमुनापार की अपूरणीय छति है। अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से दूर–दूर तक चर्चित सांवरिया जी सही मायने में अपनी माटी मूल्यों और जमुनापारी संस्कृति के अजय प्रतिनिधि थे। यह बातें रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित सांवरिया स्मृति श्रद्धांजलि सभा के दौरान जागृति मिशन के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने बहुत भावुक मन से कही। वरिष्ठ समाजसेवी त्रिवेणी प्रसाद पांडेय ने उनकी सादगी,रचनाओं में बसी गांव–समाज की सच्ची अभिव्यक्ति और प्रेरणादाई कवित्व को नमन किया तो वहीं शिक्षाविद् मदन मोहन शंखधर ने उन्हें नौटंकी के अंतिम कड़ी

बताते हुए अपने कविधर्म द्वारा की गई समाज सेवा की सराहना की। आर.के.विश्वकर्मा ने सांवरिया को अवधी बोली बानी के लोक कवि की संज्ञा देते हुए उनकी सहजता और अल्हड़ व्यक्तित्व को याद किया। कवि जितेंद्र जलज ने उनके रचना विमर्शों को लेकर जन कवि के असली मूल्यांकन की चर्चा की तो वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे वरिष्ठ अवधी कवि लाल जी सिंह देहाती नेअपनी रचनाओं के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। युवा लोक गायक सत्यवान ने,माटी के पिंजरवा एक दिन माटी में मिलि जाई, जैसे भजन प्रस्तुत करते हुए सभी को भावविभोर किया। प्रसिद्ध भजन गायक संदीप द्विवेदी और लोक गायिका मोहिनी श्रीवास्तव ने भी प्रस्तुत भजनों पर माहौल को भावुक बना दिया।

भाजपा के जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति ने सांवरिया को जाति धर्म से ऊपर उठकर एक सच्चे कवि और चिंतक के रूप में उनके कृतित्व की सराहना करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर महाकवि त्रिफला,प्रधानाचार्य मनीष तिवारी,योगेंद्र शुक्ला,सोभनाथ द्विवेदी, सोभनाथ शुक्ला, बालेंद्र गौतम,कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा,लखन प्रतापगढ़ी,वेद श्रीवास्तव, डॉ.वीरेंद्र कुसुमाकर, पंचम लाल यादव, श्यामलाल बेगाना,ओम शांति,कमला शंकर तिवारी, संतोष मिश्रा,सबरेज अहमद, केशव विश्वकर्मा रिंकू सिंह, जीपी शुक्ला, जीपी सिंह,उमेश, कमलेश यादव, रामबाबू यादव,संतोष शुक्ल समर्थ,संजय पांडेय, सरस,राधा शुक्ला समेत बड़ी संख्या में कवि, कलाकार ,साहित्यकार, शिक्षाविद, समाजसेवी मौजूद रहे।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी हिंदी दिवस और पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में अश्वनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न

जबलपुरस जबलपुर इकाई की महिला काव्य काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष , मुख्य डा.राजलक्ष्मी शिवहरे विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, सारस्वत अतिथि अर्चना मलैया। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति राजकुमारी रैकवार द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं कुशल संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत रचना सक्सेना, सिद्धेश्वरी सराफ द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। डा. मुकुल तिवारी, चंद्र प्रकाश वैश्य, कृष्णा राजपूत , अंजलि तिवारी , शशि कला सेन, डा. कुमकुम शुक्ला, रश्मि पांडे , शैली सेठ, मंजूषा किंजवडेकर, जयश्रीकांत, आशा श्रीवास्तव , प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, अनुराधा गर्ग , आरती श्रीवास्तव। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु ने किया।

एसटीएफ को ऑपरेशन भेड़िया में लगा देना चाहिएः अखिलेश यादव

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भेड़ियों का आतंक अभी भी खत्म नहीं हुआ है, जानवरों के हमले लोगों को प्रशासन नहीं बचा रही है, इसी को लेकर आज अखिलेश ने कहा है कि सरकार अगर आदमखोर भेड़ियों को नहीं ढूंढ पा रही है तो ठोंको नीति के तहत एसटीएफ को भी इसमें लगाना चाहिए। एसटीएफ पर अगर इतना ही भरोसा है तो बहराइच भेजिए। एसटीएफ में सबसे ज्यादा जौनपुर के लोगों की पोस्टिंग हो रही है। ऐसा क्यों हो रहा है? उन्होंने कहा कि बीजेपी इतना बुरा हारेगी की आप कल्पना नहीं कर सकते हैं। लोग चुनाव का इंतजार कर रहे हैं। बीजेपी पहले अपना भस्मासुर ढूंढे। अभी हरियाणा और महाराष्ट्र सब हारेंगे। वक्फ को लेकर अखिलेश ने कहा कि सरकार धार्मिक काम में दखल ना दें। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार में जानवरों का आतंक प्रदेशभर में देखने को मिल रहा है। योगी जी ने विधानसभा में जानवरों और सड़क दुर्घटना को खत्म करने की बात कही थी, लेकिन अभी भी इसका समाधान नहीं हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने मांग किया है कि जानवरों की वजह से जिनकी भी जान गई है सरकार को उन्हें 10 – 10 लाख व घायलों को 1 लाख रुपए दें। इसके साथ ही उन्होंने अखिलेश ने इस पर सफाई देते हुए कहा है।

रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालु / यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत **क्वार नवरात्रि मेले** के अवसर पर दिनांक **03.10.2024** से **11.10.2024** तक एवं **17.10.2024** को **(दस दिन)** के लिए विंध्याचल स्टेशन पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों का **दो मिनट** अस्थाई ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

क्र. सं.	गाड़ी संख्या	गाड़ी का नाम
1	12295/12296	सर एम.विश्वेश्वरय्या (टं.) बेंगलुरु-दानापुर संघमित्रा एक्सप्रेस
2	12801/12802	पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस
3	12141/12142	लोकमान्य तिलक (टं.)-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस
4	12307/12308	हावड़ा -जोधपुर एक्सप्रेस
5	12487/12488	जोगबनी-आनंद विहार (टं.) एक्सप्रेस
6	22307/22308	हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस
7	12335/12336	लोकमान्य तिलक (टं.)-भागलपुर एक्सप्रेस
8	15646/15645	लोकमान्य तिलक (टं.)- गुवाहाटी एक्सप्रेस
9	15648/15647	लोकमान्य तिलक (टं.)-गुवाहाटी एक्सप्रेस
10	15658/15657	कामाख्या-दिल्ली ब्रम्हपुत्र मेल
11	12168/12167	लोकमान्य तिलक (टं.)-बनारस एक्सप्रेस

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1655/24(ADM)

'क्षमावाणी पर्व को श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का महास्तकाभिषेक 108 कलशों द्वारा सम्पन्न हुआ'

'इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मयंक जैन जी के द्वारा झंडा रोहण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया'

प्रयागराज।क्षमावाणी पर्व को श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का 108 कलशों द्वारा सम्पन्न हुआ कार्यक्रम को कर्नलगंज के पन्नालाल रोड एसडी जैन छात्रावास में किया गया। इस अवसर पर भगवान की भक्ति में सामूहिक पूजा एवं भजन संध्या संपन्न हुई जिसमें मुख्य आकर्षण 9 सुंदर थलों से भगवान को अर्ध समर्पित किया गया जो समाज की महिलाओं ने सजाया था इस कार्यक्रम में भक्ति संध्या प्रमेश जैन के द्वारा संपन्न हुआ और मुख्य रूप से रविंद्र जैन अमर

चंद जैन मुद्रित जैन अखिलेश चंद्र जैन राजीव जैन अंकित जैन दिलीप जैन महेंद्र जैन अशोक जैन प्रवीण जैन मंजू जैन मीना जैन मधु जैन रेनू जैन एवं प्रयागराज जैन समाज के दिनेश जैन राजेश जैन और समाज की सभी महिलाएं कार्यक्रम में हिस्सा लिया कार्यक्रम के पश्चात् स्वल्पाहार सभी धर्म प्रेमियों के लिए कराई गई उपरोक्त जानकारी कमेटी के प्रचार मंत्री अखिलेश चंद्र जैन ने दी ।

उत्तर प्रदेश के निजी स्कूल 21 सितम्बर को करेंगे नई शिक्षा नीति और स्कूल सुरक्षा अधिनियम पर मंथन

लखनऊ,(यूएनएस)। अध्यक्ष, नेशनल इंडिपेन्टेन्ड स्कूल्स एलायन्स (नीसा) और एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में 21 सितम्बर को प्रातः 9.00 बजे से सांय 6.00 बजे तक सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के ऑडिटोरियम में एक महत्वपूर्ण विचार–विमर्श और संवाद कार्यक्रम 'मंथन–2024' आयोजित किया जायेगा। इस 'मंथन–2024 में उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के एसोएशन के पदाधिकारी, निजी स्कूलों के संचालक, प्रधानाचार्य एवं शिक्षक शामिल होंगे। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवा देने वाले कुछ शिक्षाविदों को 'उत्तर प्रदेश शिक्षा रत्न अवार्ड से सम्मानित भी किया जायेगा। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार ने दी। डॉ. अतुल कुमार ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार शामिल होंगे।

भोलानाथ कुशवाहा के नवगीतों की गलियों में गूँज रही है समय की धड़कनें

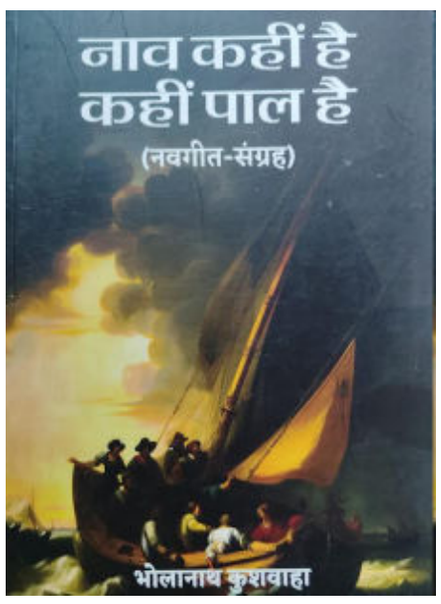

डॉ. रमाकांत शर्मा

विगत पाँच दशकों की साहित्यिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है कवि , कथाकार , नाट्यरचनाकर और नवगीतकार भोलानाथ कुशवाहा की हाल ही में प्रकाशित नवगीतों की कृति : नाव कहीं है , कहीं पाल है।

प्रस्तुत नवगीतों के संग्रह का यह शीर्षक ही अनायास हमारे समय और समाज में व्याप्त विसंगतियों , विडम्बनाओं और विद्रूपताओं की और इशारा करता है । जब हम देखते हैं कि किसी नाव का पाल ही जब नाव के साथ न होकर कहीं अन्यत्र फड़फड़ा रहा हो तो तूफानी हवाओं के इस दौर में नाव को साहिल मिलना तो दूर की बात है , उसका तो मझधार में डूबना लगभग तय लगता है । ऐसी नाव और पाल के बीच फँसे यात्रियों का जीवन इस विकट समय में खतरे से बाहर नहीं है। इसिलए नवगीतकार भोलानाथ कुशवाह प्रस्तुत नवगीत – संग्रह में अपनी रचनाधर्मिता के बल पर समय रहते नाविक को सावधान करते नजर आते हैं। इसके चलते इनके गीत कभी बिम्ब , तो कभी प्रतीक , कहीं मसीहाई अंदाज में तो कहीं – कहीं उपदेशकीय गुरुमुद्रा में हमसे संवाद करते हैं । इन गीतों की खूबी यह है कि ये सहज – स्वाभाविक और स्वतःस्फूर्त रूप में ढल कर हमारे सामने आए हैं । इन नवगीतों से गुजरने पर मैंने यह अनुभव किया कि यह गीतकार अपने नवगीतों में लिजलिजी भावुकता से ऊपर उठकर विचारबोध की जाग्रत मनीषा का हृदय से वरण करता है । इस रचनाकार की प्रतिबद्धता और पक्षधरता स्पष्ट है। ये सच्चे अर्थों में लोकधर्मी रचनाकार हैं। कुशवाहा जी अपने नवगीत बेताला बेसुरा बिहाग है श में समय की विडंबना को वाणी देते हुए लिखते हैं :

नया समय है नया राग है
बेताला बेसुरा बिहाग है
कौन बचेगा कौन जलेगा
हर कोने में लगी आग है
धरती कैसे बची रहे अब
सभी ओर से यही माँग है

एक बात और । यहाँ यह भी उल्लेखनीय होगा कि श कहीं नाव है , कहीं पाल है श नवगीत – संग्रह के पूर्व कवि कुशवाहा के चार कविता – संग्रह रू श कब लौटेगा नदी के उस पार गया आदमी , जीना चाहता हूँ , इतिहास बन गया वह समय था और अलावा इनके एकश दोहा संग्रह श और एक हाइकु –संग्रह श टूटी लहर श प्रकाशित हो चुके हैं । कृति ओर पत्रिका में मैंने इनमें से कुछ संग्रहों पर विस्तार से लिखा भी है । फिलवक्त हम बात कर रहे हैं भोलानाथ कुशवाहा के वर्ष 2023 में मंजरे आम पर आए नवगीत – संग्रह श कहीं नाव है , कहीं पाल है की।

इस नाव का मल्लाह और कोई नहीं है , बल्कि सत्ता – व्यवस्था और सियासत का अखाड़ेबाज ही है। वह मनमानी करनेवाला तानाशाह है । यात्री – जनता उसके डर के मारे खामोश है । जैसे कि मौत ही सामने खड़ी हो।

भोलानाथ कुशवाहा अपने एक नवगीत में आज के आधुनिक समय की हकीकत कुछ इस प्रकार बयां करते हैं :

सुबह का सूरज
बदल गया है
लेपटॉप पर
फिसल गया है
घर ही घर से गायब है अब
बोतल से पानी का रिश्ता
घर में बाजार घुसा है
बाजारों में घर
की तलाश है ,
गुमनामी का
समय चढ़ा है
कोई नहीं आस – पास है
खोजे नजरे नजरों में अब
मिलता नहीं है कोई फरिश्ता

गीतकार इस वक्त की लय को अपने नवगीत की लय बनाता है। यह काम वह कभी बिम्ब , कभी प्रतीक और कभी मिथक के जरिए करता है तो कभी सपाटबयानी के जरिए । उदाहरण के लिए अपने एक नवगीत में कुशवाहा लिखते हैं

जो डूबा
खोना है उसको
जो उलझा
रोना है उसको
मुक्ति नहीं
जुड़ना भी मुश्किल
होश गँवाकर
खोना मुश्किल
बाहर – भीतर कठिन राह है

चले जा रहे उस पर कितने।

इस दृष्टि से प्रस्तुत संग्रह के कुछ नवगीत अत्यंत महत्वपूर्ण हैं : यथा हर चेहरे पर क्यों तनाव है , सूख गया जीवन कुछ ऐसा , शहर – गाँव सब बदल गए हैं , राजनीति की कटुता भारी । इनमें समय और समाज का यथार्थ बड़ी ही रचनाशीलता के साथ प्रकट हुआ है । ये नवगीत सरल और सहज हैं । लय में ढले हैं । संवेदना – पगे हैं । जीवनरंग में रंगे हैं और हर आँख में रात्रि – जगे हैं।

अंततः , मैं अपने अंतर्मन से कविश्री भोलानाथ कुशवाहा के नवगीतों के इस संग्रह का स्वागत करता हूँ । मुझे पूरा विश्वास है कि हिंदी का पाठक समुदाय भी खुले दिल से इन नवगीतों को अपनाएगा।

डॉ. रमाकांत शर्मा
94144 10367
संकेत निवास, ब्रह्मपुरी – प्रतापमंडल, चांदपोल , जोधपुर (राज.)342001
rkramakant-sharma@gmail-com

नाव कहीं है , कहीं पाल है
(नवगीत संग्रह)
भोलानाथ कुशवाह
हिंदी श्री पब्लिकेशन
संत रविदास नगर ,
(उ. प्र.)
मूल्य : / 300 /–

संक्षिप्त समाचार

सिपाही की ट्रेन से कटकर मौत

लखनऊ,(यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र में रहने वाले सिपाही सुनील रावत की बुधवार देर रात ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनकी आईडी से शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। सीतापुर में तैनात सुनील छुट्टी पर घर आए थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगा रही है। आलमबाग गढ़ी कनौर हरचंदनपुर निवासी सिपाही सुनील कुमार रावत पत्नी अनीता रावत के साथ रहते थे। तालकटोरा पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात करीब 12 बजे रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल के सामने सुनील की ट्रेन की चपेट में आकर मौत की सूचना मिली। सिपाही सुनील की तैनाती सीतापुर कोर्ट में थी। बताया जा रहा है कि पटरी पार करते वक्त हादसा हुआ है। कंट्रोल रूम की सूचना पर एसआई सूरज शनीम ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक सिपाही सुनील के भाई अनिल ने बताया कि सुनील की यूपी पुलिस में 1995 में भर्ती हुई थी। वो मुख्य आरक्षी के पद पर सीतापुर मे थाना तम्बौर में पैरोकार पद पर तैनात थे।वो पांच दिन की छुट्टी लेकर घर आ रहे थे। बुधवार रात को काम से घर से निकले थे। रात को दुर्घटना की सूचना की जानकारी हुई। अनिल ने बताया कि घटना कैसे हुई यह समझ नहीं आ रहा। तालकटोरा इंस्पेक्टर के मुताबिक सुनील कुमार रावत मूल रूप से उन्नाव हसनगंज के बैनीखेड़ा निवासी थे। घर वालों ने भी कोई अनहोनी की आशंका नहीं जाहिर की है। हादसा के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

शाइन सिटी का वाइस प्रेसीडेंट गिरफ्तार,50 हजार रुपए का था इनामी

लखनऊ,(यूएनएस)। लखनऊ पुलिस ने प्लाट और स्टॉक मार्केट में पैसा लगाने के नाम पर अरबों रुपए की ठगी करने वाले शाइन सिटी ग्रुप से वाइस प्रेसीडेंट को गिरफ्तार किया है। एडीसीपी जितेन्द्र कुमार दूबे ने बताया कि ठग मनीष जायसवाल के ऊपर पचास हजार रुपए का इनाम था। पुलिस उसको करीब एक साल से तलाश रही थी। उसके खिलाफ लखनऊ और प्रयागराज में मुकदमे दर्ज हैं।लोगों से ज्यादा मुनाफा देने के नाम पर करता था ठगी विकास नगर इंस्पेक्टर विपिन सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी मनीष को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया है।वह शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड में वाइस प्रेसीडेंट के पद पर काम कर रहा था। उसने कई लोगों को कम रेट और आसान किस्तों पर जमीन उपलब्ध कराने का झूठा वादा करता था। जिसके बाद लोगों से पैसा लेकर हड़प लेता था। इसके साथ ही लोगों से रेक्रिंग डिपाजिट करने पर कम समय में धन दोगुना और तिगुना के नाम पर भी ठगी की थी। इस कंपनी के खिलाफ यूपी में 500 से ज्यादा मामले दर्ज हैं और 62 लोग करीब जेल जा चुके हैं। कंपनी के डायरेक्टर पर सीएमडी राशिद नसीम पर पांच लाख का इनाम भी है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मनीष पहले जानकीपुरम न्यू मल्हौर में रहता था। पुलिस केस होने के बाद कई घर बदले। आजकल विकासनगर सेक्टर तीन में रह रहा था। मनीष मूल रूप से प्रयागराज सालिकगंज रोड मुट्ठीगंज का रहने वाला है।

हटाया गया अवैध अतिक्रमण

लखनऊ,(यूएनएस)। शहर में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेशानुसार सभी मुख्य मार्ग, फुटपाथ, सार्वजनिक स्थलों पर व्याप्त अतिक्रमण को वृहद स्तर पर अभियान चलाकर हटाने का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही अभियान से पूर्व अतिक्रमण कर्ताओं को सूचित भी किया जा रहा है।उसी क्रम में आज जोन 06 अंतर्गत वृहद अभियान चलाया गया।जोनल अधिकारी जोन 06 के निर्देशानुसार टीएस श्री अवधेश एवं राजस्व निरीक्षक श्री धर्मदेव की उपस्थिति में आज क्षेत्रान्तर्गत वार्ड हुसैनाबाद में घंटाघर, इमामबाड़ा के पास वृहद अतिक्रमण अभियान चलाया गया। टीम को कई जगह बहस का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने अतिक्रमण हटाने में कसर नही छोड़ी।

वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से विविध कार्यो की मंजूरी

लखनऊ,(यूएनएस)। 15वां वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कार्यो की स्वीकृति के लिए महापौर की अध्यक्षता मे गठित समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमे नगर आयुक्त, जिलाधिकारी के प्रतिनिधि, समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता, महाप्रबन्धक जलकल, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियन्ता,लखनऊ विकास प्राधिकरण एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक मे वायु गुणवत्ता सुधार मद के अन्तर्गत मियाबाकी पद्धति से प्लान्टेशन व अन्य वृक्षारोपण के कार्य, नगर निगम सीमान्तर्गत क्षेत्र के विभिन्न क्षतिग्रस्त मार्गो की मरम्मत एवं निर्माण कार्य एवं शिवरी प्लान्ट,अन्य स्थलो पर वाटर फाउन्टेन का कार्य हेतु 16.48 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक मे ठोस अपशिमट प्रबन्धन के अन्तर्गत अमृत योजना के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो मे निकायाशं के रूप मे 50.00 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई। नगर की पेयजल व्यवस्था मे सुधार हेतु नये ट्यबेल की स्थापना रिबोर का कार्य, ठोस कूडा प्रबन्धन हेतु पीसीटीएस, एफसीटीएस, एमआरएफ सेन्टरों के कार्यो एवं आरआर विभाग को मशीनों आदि के क्रय हेतु कुल धनांक 62.00 की स्वीकृति प्रदान की गई।

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गाड़ी सं. **20175/20176 आगरा कैंट-बनारस वन्दे भारत एक्सप्रेस** (सप्ताह में 6 दिन, शुक्रवार को छोड़कर) का नियमित संचालन दिनांक **23.09.2024** से आगरा कैंट और बनारस से निम्न समय सारणी के अनुसार किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

20175 बनारस-आगरा कैंट		स्टेशन	20176 आगरा कैंट-बनारस	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15.20	बनारस	13.00	--
16.50	16.55	प्रयागराज जं.	11.25	11.30
18.57	19.02	कानपुर सेंट्रल	09.15	09.20
20.17	20.19	इटावा जं.	07.40	07.42
21.32	21.34	टूंडला जं.	06.48	06.50
22.20	--	आगरा कैंट	--	06.00

गाड़ी संरचनाः 08 कोच वंदे भारत रेक

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1670/24 FA

सम्पादकीय.....

केजरी का आतिशी दांव

एक बार फिर साबित हुआ कि अरविंद केजरीवाल राजनीति के चतुर सुजान हैं। वे भी आपदा को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। शीर्ष अदालत से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर केजरीवाल ने एक बार फिर से चौंकाया है। कयास लगे थे कि अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। वहीं उनकी पत्नी को भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कहा जा रहा था। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में एक परंपरा रही है कि किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप दी जाती थी। ताकि स्थितियां सामान्य होने पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। जैसे बिहार में चारा घोटाले में घिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। विगत के ऐसे प्रसंग भी हैं जब कानूनी बाध्यताओं के चलते पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री का पद दिया गया तो उसकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा हिलोरे लेने लगी। विगत में बिहार और झारखंड में ऐसे प्रसंग सामने आए। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, वे कुल मिलाकर निशाने पर लगते नजर आए हैं। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक दबाव तो बना दिया है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से कुछ महीने पहले महाराष्ट्र के साथ कराने की मांग करके आप ने दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। लेकिन यदि केजरीवाल शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो शायद उन्हें इसका ज्यादा लाभ मिलता, जैसे कि लालकृष्ण आडवाणी ने कतिपय राजनीतिक आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था। बहरहाल, केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची–समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहानुभूति अर्जित करना भी है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है। वहीं तय समय से तीन माह पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने की मांग करके उन्होंने जता दिया है कि आप चुनाव अभियान के लिये तैयार है। दरअसल, केजरीवाल वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव को दोहराना चाहते हैं, जिसके बाद 2015 में आम आदमी पार्टी को भारी जीत मिली थी। लेकिन इस बार की स्थितियां खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह जुआ मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। जिसे विपक्ष ने पार्टी की घटती लोकप्रियता के रूप में दर्शाया था। दरअसल,बुनियादी प्रशासनिक ढांचे की खामियां व भाजपा के लगातार हमलों ने आप को बचाव की मुद्रा में ला खड़ा कर दिया था। वहीं दूसरी ओर आप सरकार की कल्याणकारी योजनाएं अभी भी मतदाताओं को पसंद आ रही हैं। अब आने वाला वक्त बताएगा कि इस्तीफे का पैंतरा आप को राजनीतिक रूप से कितना रास आता है। वहीं दूसरी ओर कयास लगाए जा रहे हैं कि केजरीवाल के इस पैंतरे से तेज हुई राजनीतिक सरगर्मियों का असर पड़ोसी राज्य हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी दिख सकता है। चुनाव में इंडिया गठबंधन से मुक्त आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। जिसका कुछ लाभ भाजपा को भी हो सकता है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि चुनौतियों से जूझती पार्टी अपना जनाधार किस हद तक मजबूत कर पाती है। वहीं दूसरी ओर जनता की अदालत में दिल्ली सरकार की फ्री पानी–बिजली व सरकारी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा कराने की नीति की भी परीक्षा होनी है।

दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री आतिशी

एजेंसी

अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति में कथित घोटाले के आरोप में मार्च 2024 में ईडी ने गिरफ्तार किया, ईडी की गिरफ्तारी में जमानत मिली तो जून में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। इसी 13 सितंबर को श्री केजरीवाल को फिर जमानत मिली।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार में अब मुख्यमंत्री पद का दायित्व आतिशी संभालेंगी। 2020 में पहली बार विधायक बनीं आतिशी महज चार सालों में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगी, इसका अनुमान किसी को भी नहीं था, खुद आतिशी ने भी इस पद के बारे में कभी सोचा नहीं होगा। क्योंकि दिल्ली की सत्ता में आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा शुरु से अरविंद केजरीवाल ही रहे हैं, और आगे भी रहेंगे। उनके इस अघोषित दावे को चुनौती देने वाला पार्टी में कोई नहीं है और जिन लोगों को अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व और पार्टी पर पकड़ से तकलीफ थी, वे पहले ही अलग हो चुके हैं। बहरहाल, बीते वक्त में दिल्ली की सियासत में काफी उलटफेर हुई। अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति में कथित घोटाले के आरोप में मार्च 2024 में ईडी ने गिरफ्तार किया, ईडी की गिरफ्तारी में जमानत मिली तो जून में सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। इसी 13 सितंबर को श्री केजरीवाल को फिर जमानत मिली। इसके बाद सभी को अनुमान था कि वे हरियाणा चुनाव के प्रचार में जुटेंगे, लेकिन इससे पहले अपना इस्तीफा देकर उन्होंने सभी को चौंका दिया। अरविंद केजरीवाल के हटने पर मुख्यमंत्री की कुर्सी कौन संभालेगा, इसे लेकर कई नाम सामने आए। सुनीता केजरीवाल का नाम तो था ही, इसके अलावा कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, आतिशी जैसे तमाम मंत्रियों का नाम भी सामने आ रहा था। जिसमें बाजी आतिशी के हाथ लगी। हालांकि आतिशी ने विधायक दल का नेता चुने के बाद साफ कर दिया है कि वे अरविंद केजरीवाल को फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम करेंगी। उन्होंने खुद को बधाई दिए जाने से मना कर दिया कि यह दुख का अवसर है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद छोड़ रहे हैं। अब आतिशी बधाई स्वीकार करें या न करें, लेकिन आधिकारिक तौर पर अब उनका नाम देश के मुख्यमंत्रियों की सूची में शामिल हो रहा है। आतिशी देश की महिला मुख्यमंत्रियों की अनूठी सूची में अब दर्ज हो रही हैं। खास बात यह है कि दिल्ली को अब तीसरी महिला मुख्यमंत्री मिली है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित के बाद आतिशी दिल्ली की महिला मुख्यमंत्री होंगी। देश के तमाम राज्यों में संभवतरू दिल्ली की एक ऐसा राज्य है, जिसने तीन–तीन महिला मुख्यमंत्री दी हैं। दरअसल आतिशी का महिला विधायक होना, उनके मुख्यमंत्री बनने के अनेक कारणों में से एक है। आम आदमी पार्टी से ही राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार पर मुख्यमंत्री निवास में ही मारपीट और उत्पीड़ित करने का गंभीर आरोप चुनावों के दौरान लगाया था। जिस पर बिभव कुमार गिरफ्तार हुए ही, विरोधियों को आप को महिला विरोधी दल साबित करने का मौका मिल गया। हालांकि आतिशी ने तब भी कहा था कि स्वाति मालीवाल प्रकरण भाजपा की शह पर हुआ है। अब आतिशी को मुख्यमंत्री बनाकर अरविंद केजरीवाल ने आप की महिला विरोधी छवि के दाग को मिटाने की कोशिश की है। इससे पहले 2020 के मंत्रिमंडल गठन में जब श्री केजरीवाल ने आठ महिला विधायकों में एक को भी मंत्री नहीं बनाया था, तब भी इस बात की आलोचना हुई थी। लेकिन अब उन तमाम शिकायतों का जवाब एक साथ दे दिया गया है। आतिशी का राजनैतिक कद पिछले साल 2023 से एकदम से बढ़ा, जब दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति मामले में ही गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली के शिक्षा मंत्री के तौर पर मनीष सिसोदिया ने जितने नए प्रयोग किए और अनूठे फैसले लिए, उन सबमें आतिशी का भी योगदान रहा है। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद उन्हें दिल्ली सरकार में कई और महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली और मुख्यमंत्री बनने से पहले वे 14 विभाग संभाल रही थीं। इसके अलावा जब आम आदमी पार्टी में मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल जैसे बड़े नामों को सलाखों के पीछे जाना पड़ा, तब आतिशी पार्टी की आवाज बनकर जनता के बीच उपस्थित होती रहीं। बेशक सौरभ भारद्वाज और गोपाल राय का नाम भी इसमें लिया जा सकता है, लेकिन कई सारे मंत्रालयों को संभालना भी आतिशी के मुख्यमंत्री बनने में मददगार साबित हुआ। आतिशी अरविंद केजरीवाल की भी विश्वासपात्र हैं, यह बात तब और पुख्ता हो गई, जब स्वतंत्रता दिवस समारोह में अरविंद केजरीवाल की तरफ से झंडारोहण के लिए आतिशी का नाम भेजा गया था। हालांकि उपराज्यपाल ने इसके लिए कैलाश गहलोत को चुना। मगर संकेत तभी मिल गए थे कि जरूरत पड़ने पर अरविंद केजरीवाल का उत्तराधिकारी आतिशी ही बनेंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड से उच्च शिक्षा हासिल करने वाली आतिशी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जुड़ी और फिर आम आदमी पार्टी के गठन के वक्त से उसके साथ हैं। पहले वे अपने नाम के आगे मार्लेना लगाती थीं, जो मार्क्स और लेनिन के नाम के शुरुआती अक्षरों से बना है। यह उपनाम उनकी वामपंथी सोच को प्रदर्शित करता था, लेकिन भाजपा को इसमें पारसी, ईसाई उपनाम की झलक शायद दिखी और इसी को आधार बनाकर भी आतिशी पर हमला किया गया। हालांकि आतिशी ने अपना उपनाम इसलिए हटा लिया कि पहचान बताने में वे वक्त बर्बाद नहीं करना चाहती। जाहिर है आतिशी उच्च शिक्षित, प्रगतिशील विचारों की नेता हैं और सुविधाभोगी जीवन जीने की अपेक्षा उन्होंने जनता के बीच उतरकर काम किया है। अरविंद केजरीवाल के जेल जाने पर अनशन रखने से लेकर पदयात्रा तक कई काम उन्होंने ऐसे किए हैं, जो सीधे जनता से उन्हें जोड़ते हैं। ऐसे में चुनाव में आम आदमी पार्टी को फायदा हो सकता है।

आपातकाल की यादें, तानाशाही का खतरा और संविधान की रोशनी

नाकाम प्रचार तंत्र से उपजी है जुबान काटने की धमकी

डॉ. दीपक पाचपोर

अमेरिका से राहुल गांधी लौटे ही हैं कि उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है। जिस प्रकार से राहुल भाजपा और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई मुद्दों को लेकर हमलावर हैं, उससे मोदी के समर्थकों का नाराज होना स्वाभाविक है ही, लेकिन जिस तरह की भाषावली का इस्तेमाल भाजपा के विभिन्न नेता राहुल के खिलाफ कर रहे हैं, उसे किसी भी तरह से लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। तथ्यों का जवाब तथ्यों से दिया जा सकता हैय और भाजपा के पास तो बेहतर तथा संगठित प्रचार तंत्र है– सरकारी, भाजपा का आईटी सेल तथा विशालकाय ट्रोल आर्मी। फिर भी अगर भाजपा का कोई नेता राहुल की जुबान काटने वाले को 11 लाख रुपये का ईनाम देने की घोषणा करता है तो समझ लेना चाहिये कि यह सारा ही प्रचार तंत्र ध्वस्त हो गया है। उसी बदहवासी और बौखलाहट में राहुल पर हमले तेज हो गये हैं। भाजपा की परेशानियां तभी से शुरू हो गयी थीं जब सितम्बर, 2022 के पहले हफ्ते में राहुल ने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की पैदल यात्रा निकाली थी। उसे भाजपा ने न सिर्फ हल्के में लिया था, वरन उसके हुल्लड़ी ग्रुप ने इसका मजाक उड़ाया था और कई तरह की बेढंगी बातें भी कही थीं। किसी ने पहले अपनी पार्टी को जोड़ने फिर देश को जोड़ने की सलाह दी थी, तो किसी ने राहुल द्वारा स्वामी विवेकानंद का अपमान करने की बात कही। इन सबसे पार पाते हुए राहुल ने न सिर्फ करीब 4 हजार किलोमीटर नाप दिये बल्कि 14 जनवरी से 16 मार्च, 2023 तक न्याय यात्रा भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। हालांकि पहली यात्रा के बीच ही उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ तगड़ी मोर्चेबन्दी कर ली थी। सड़क मार्ग से होते हुए जब तक वे 17वीं लोकसभा के आखिरी–आखिरी दौर के सत्र में पहुंचे तो जो भाजपा उन्हें हल्के में ले रही थी या उनकी एक खास तरह की छवि भारी–भरकम पैसा फेंककर बना चुकी थी, सतर्क हो गयी। इन यात्राओं में राहुल ने मोदी सरकार के खिलाफ तो विमर्श गढ़ा ही, भाजपा को कई मामलों में पीछे ढकेल दिया। राहुल की इस यात्रा ने कांग्रेस को पुनर्जीवित किया, साथ में विपक्षी गठबन्धन भी बनाया। भाजपा ने संसद में राहुल और कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से नहीं वरन अनैतिक तरीके से नुकसान पहुंचाना शुरू किया। उनके भाषणों के अंश काटे जाते रहे या उनका माइक बन्द किया जाता रहा। उनके खिलाफ कभी प्रवर्तन निदेशालय के मामले में लम्बी पूछताछ कराई गई तो कभी अवमानना का मामला फिर से जिन्दा किया गया। उन सभी बाधाओं से बाहर निकलते हुए राहुल ने पिछले लोकसभा चुनावों में न केवल अपनी पार्टी की ताकत लोकसभा में दोगुनी करके दिखाई वरन एक मजबूत विपक्ष भी मोदी के सामने खड़ा कर दिया। लोकसभा में इस तरह का हश्र हो सकता है, इसका अनुमान भाजपा को पहले से होने लगा था। इसलिये मोदी समेत उनसे सारे नेताओं की जुबान बेहद जहरीली हो चली थी। इसी नफरती शब्दावली के बल पर मोदी न केवल विपक्ष को अपमानित करते रहे बल्कि अपने भाषणों से ध्रुवीकरण भी करते चले गये। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले हुए छत्तीसगढ़. मध्यप्रदेश और राजस्थान में भाजपा को मिली बम्पर जीत ने भाजपा के चेहरे पर मुस्कान तो लौटा दी थी और उसे यह आशा हो चली थी कि 2019 से भी उसका बेहतर प्रदर्शन रहेगा। इसी के भरोसे मोदी ने 370 व 400 पार का नारा दिया जो कि अंततरू जबरन फुलाया गया गुब्बारा साबित हुआ। भाजपा 303 से 240 पर उतर आई। चुनाव के ऐन पहले इंडिया गठबन्धन को धोखा देने वाले नीतीश कुमार की जनता दल यूनाईटेड के 16 तथा चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी के 12 सदस्यों ने मोदी को तीसरी बार पीएम की कुर्सी तो दिला दी, लेकिन वह सतत डोल रही है। ऐसे माहौल में चार राज्यों के होने जा रहे चुनाव खासा महत्व रखते हैं। इसके लिये जम्मू–कश्मीर और हरियाणा के लिये तो प्रक्रिया प्रारम्भ हो गयी है, महाराष्ट्र तथा झारखंड में भी इसी साल चुनाव होंगे। सभी में भाजपा पराजय की कगार पर खड़ी दिखलाई दे रही है। जे एंड के में कांग्रेस का नेशनल कांफ्रेंस से गठबन्धन हुआ है तो वहीं हरियाणा में भी वह आगे चल रही है। भाजपा के प्रति लोगों की नाराजगी इस कदर है कि वहां 50 से ज्यादा विधायक, पूर्व विधायक, नेता आदि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ही, वहां भाजपा ने जिस प्रकार से ऑपरेशन लोटस के जरिये उद्धव ठाकरे की सरकार गिराई और शिवसेना तथा नेशनल कांग्रेस पार्टी को तोड़ा, उसके चुनाव चिन्ह छीन लिये, उसके चलते लोगों में भाजपा के प्रति बेकदर नाराजगी है। ऐसा समझा जाता है कि विधानसभा चुनाव को लेकर भी यहां भाजपा बड़ी परेशानी में है। वह इसलिये भी क्योंकि शिवसेना के एकनाथ शिंदे और एनसीपी के अजित पवार धड़े में कई लोग वापसी की मंशा रखते हैं। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के भतीजे अजित तो कह चुके हैं कि उन्होंने परिवार को तोड़कर गलती की जिसका उन्हें दुख है। ऐसे में जब राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर देश में लोकतंत्र की दुर्दशा से लोगों को अवगत करा रहे हैं तो इससे पूरी भाजपा खिसियाई हुई है। देश में धार्मिक आजादी के खतरे के रूप में राहुल ने जो एक उदाहरण के रूप में यह कहा था कि श्पता नहीं कब तक सिखों को पगड़ी पहनने की आजादी रहेगी या वे गुरुद्वारे जा सकेंगेश, उसका बतंगड़ बनाने की कोशिश भाजपा ने की। किसी ने राहुल को आतंकी कह दिया तो किसी ने उन्हें खालिस्तान समर्थक, क्योंकि एक खालिस्तानी नेता ने राहुल के बयान को पृथक देश के समर्थन के रूप में देखा। ऐसे ही जब अमेरिका में ही एक भाषण के दौरान राहुल ने कहा कि श्जब तक जरूरी है तब तक आरक्षण जारी रहेगा। जब उसके समाप्त करने की आवश्यकता पड़ेगी तब उसके बारे में सोचा जायेगा।' उन्होंने साफ किया कि अभी इसका समय नहीं आया है। इसका भी लाभ लेने की कोशिश भाजपा यह कहकर कर रही है कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। इस क्रम में वह लोगों को भुलाने की भी कोशिश कर रही है कि वह स्वयं तभी से आरक्षण के खिलाफ रही है जब से संविधान लागू हुआ है और आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। दरअसल भाजपा का संविधान और आरक्षण के प्रति प्रेम तब जाग्रत हुआ जब इसी लोकसभा चुनाव में यह विमर्श इतना आगे बढ़ गया था कि लोगों में यह बात घर कर गयी कि भाजपा 400 सीटों का लक्ष्य इसलिये पाना चाहती है क्योंकि उसे संविधान बदलना है। जाहिर है कि संविधान बदलने का उद्देश्य आरक्षण खत्म करना ही माना गया था। यह बात भी भाजपा के कई नेताओं एवं उम्मीदवारों ने कही थी। कांग्रेस समेत इंडिया गठबन्धन ने इसे प्रमुख मुद्दा बनाया। इसके कारण मोदी को सरकार बनाने के लिये दो बैसाखियों का सहारा लेना पड़ गया। भाजपा के पूरे प्रचार तंत्र की नाकामी और सरकार को घुटनों के बल पर लाने वाले राहुल की जुबान काटने वाले को यदि भाजपा का कोई नेता ईनाम घोषित करता है तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिये।

भविष्य के लिए खतरनाक है शासन का एनकाउंटर मॉडल

संदीप सिंह

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 28 अगस्त को दिनदहाड़े हुई डकैती में शामिल एक आरोपी मंगेश यादव का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। डकैती के मुख्य आरोपी का नाटकीय ढंग से सरेंडर, तीन के पकड़े जाने और एक आरोपी के एनकाउंटर के बाद पूरे प्रकरण पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मंगेश के परिवार का आरोप है कि पुलिस उन्हें घर से उठा कर ले गई थी। दो दिन कस्टडी में रखा और फिर मार दिया। प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आई है, गर्वनेंस में एक श्गन कल्चरश शुरू हुआ है। इसे आप भाजपा का श्ठोंक दोश मॉडल कह सकते हैं। आप आए दिन मुख्यमंत्री के मुंह से श्मिट्टी में मिला दूंगाश जैसे हिंसक और गैरकानूनी जुमले सुन सकते हैं। इसका नतीजा प्रदेश में ताबड़तोड़ एनकाउंटर के रूप में सामने है, जिसपर सवाल ही सवाल हैं। 20 मार्च, 2017 से सितंबर, 2024 के बीच एनकाउंटर में कुल 207 अपराधी मारे गए और 17 पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई। लगभग सात सालों की इस अवधि में यूपी पुलिस ने कुल 12964 एनकाउंटर किए। यानी प्रदेश में हर दिन औसतन 5 से ज्यादा एनकाउंटर की घटनाएं हो रही हैं और औसतन हर 13 दिन में एनकाउंटर के माध्यम से एक हत्या हो रही है। अगर इन आंकड़ों को जातीय आधार पर देखें तो इनमें 67 मुस्लिम, 20 ब्राह्मण, 18 ठाकुर, 17 जाट और गुर्जर, 16 यादव, 14 दलित, 3 ट्राइब्स, 2 सिख, 8 अन्य ओबीसी और 42 अन्य जातियों के लोग शामिल हैं। इनमें लगभग 80प्रतिशत संख्या अल्पसंख्यक, खासकर मुस्लिमों और दलित पिछड़ों की है जो इस आरोप को बल देती है कि यूपी में जाति–धर्म के आधार पर, अमानवीय ढंग से राजनीतिक मकसद से एनकाउंटर किये जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल लगातार हो रहे एनकाउंटर के मकसद पर है। क्या इससे कानून व्यवस्था बेहतर हुई है? एनकाउंटर का सीधा मतलब है कि अपराधी ने पुलिस पर गोली चलाई और पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। आंकड़ों से स्पष्ट है कि हर दिन कम से कम 5 मामलों में अपराधी पुलिस पर गोलियां चला रहे हैं और बदले में पुलिस गोलियां चला रही है? इसी एक तथ्य से यूपी में अपराधी थर–थर कांपते हैं जैसे जुमलों और कानून–व्यवस्था की पोल खुल जाती है। दूसरे, अगर नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े देखें तो अपहरण, हत्या, रेप और महिलाओं के खिलाफ अपराध और गैंगरेप के मामलों में भी यूपी देश में सबसे ऊपर है। हिरासत में मौतें और एनकाउंटर के मामलों में भी यूपी सबसे ऊपर है। कैसी विडंबना है कि देश के सबसे बड़े प्रदेश में बढ़ते अपराधों को नियंत्रित करने के लिए वही तरीका अपनाया जा रहा है जो अपराधी अपनाते हैं। कभी इसके तह में जाने की कोई बात नहीं होती कि आखिर युवा अपराध की तरफ क्यों मुड़ रहे हैं? क्योंकि प्रदेश में भयंकर बेरोजगारी है। यूपी का सिस्टम बंद पड़ा है। नेता–अधिकारी–ठेकेदार–दलाल गठजोड़ प्रदेश के संभावना पर ही कुंडली मारकर बैठा हुआ है। शिक्षा का स्तर बदतर है। भविष्य की कोई आशा नहीं है और किसी के हाथ में कोई काम नहीं है। एक गंभीर बीमारी, कोई दुर्घटना या शादी–विवाह का आयोजन जाने कितने परिवारों को कर्ज और गरीबी के दुश्चक्र में धकेल देता है। अगर तमिलनाडु जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्य से यूपी की तुलना करें तो जनसंख्या की दृष्टि से यूपी तीन गुना बड़ा राज्य है। लेकिन तमिलनाडु का सकल राज्य घरेलू उत्पाद यूपी से ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023–24 में यूपी का सकल राज्य घरेलू उत्पाद, 24.39 लाख करोड़ और तमिलनाडु का 28.3 लाख करोड़ है। दो दशक पहले, 2004–2005 के आंकड़े देखें तो यूपी की अर्थव्यवस्था का आकार तमिलनाडु की तुलना में 19 प्रतिशत ज्यादा था। यह स्थिति 2013–2014 तक बनी हुई थी। इसके बाद यूपी की अर्थव्यवस्था गिरनी शुरू हुई और आज तमिलनाडु से पीछे है। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार, 2023 में तमिलनाडु की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 75 हजार रही, जबकि यूपी की प्रति व्यक्ति आय मात्र 84 हजार रही। इन तथ्यों से पता चलता है कि यूपी कहां खड़ा है। प्रदेश में जितने पारंपरिक व्यवसाय और उद्योग थे, मसलन– लकड़ी, होजरी, कपड़े, स्टील, चमड़ा, कांच, ताला, बुनकरी, हस्तशिल्प, बर्तन, आदि सब साल–दर–साल ढलान की ओर हैं। पिछले 30–40 सालों में आबादी के हिसाब से न तो उद्योग बढ़े, न नौकरियां–रोजगार बढ़े और न शिक्षा का स्तर बढ़ा। नोटबंदी और कोविड महामारी के दौरान जो नीतिनिर्मित आर्थिक तबाही आई, उससे यूपी भी अछूता नहीं रहा। आज उत्तर प्रदेश आईटी, विनिर्माण या ऑटोमोबाइल का केंद्र होने की बजाय सस्ते श्रम का कारखाना है जहां के मजदूरों की मार्मिक कथाएं पूरे देश और दुनिया में बिखरी हुई हैं। भविष्य के लिए कोई तैयारी नहीं की गई। न खेती किसानी में नवोन्मेष लाया गया, न ही स्किल और गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया गया, न वस्तुओं के उत्पादन पर। जाति–धर्म और दिखावे की चाशनी में लिपटी उप्र की राजनीति मूर्तियों, पार्कों, मंदिरों–मस्जिदों और रिवरफ्रं टो–कॉरिडोरों की सीमित दिखावटी सोच के आगे न जा सकी। अपनी कुर्सी बचाने और येन केन प्रकारेण अगला चुनाव भर जीत लेने की सोच ने यूपी के भविष्य निर्माण की योजना पर ही ग्रहण लगा दिया। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि पिछले तीस वर्षों में प्रदेश के अंदर लगभग 30 नई राजनीतिक पार्टियों का तो गठन हुआ लेकिन वाकई श्बड़ीश कही जा सकने वाली एकमात्र औद्योगिक इकाई का नहीं! सवाल है कि यूपी के युवाओं को दृष्टिहीन, दिशाहीन राजनीति, और लगभग आपराधिक हो चुकी अराजक कानून–व्यवस्था से क्या मिल रहा है? छह साल में दस हजार से ज्यादा एनकाउंटर करने वाली सरकार प्रदेश के युवाओं को छह लाख नौकरी भी नहीं दे पाई। जिस प्रदेश में युवाओं के पास कोई काम नहीं, कोई लक्ष्य नहीं, वे किधर जाएंगे? क्या यूपी के युवाओं के लिए भाजपा सरकार के पास कोई विजन है कि वह 25 करोड़ लोगों को कैसा भविष्य देना चाहती है? धड़ाधड़ हो रहे एनकाउंटर का लक्ष्य असल में अपराध रोकना नहीं है। इसका लक्ष्य एक खास तरह के सामाजिक, राजनीतिक और जातीय वर्चस्व को कायम करना है। लेकिन सोचने की बात ये है कि कल को कोई दूसरा सत्ता में आए और राजनीतिक रतौंधी की यह परिपाटी जारी रखते हुए बदले की कार्रवाई को ही नीति बना ले तो कितनी मांओं की गोद फिर सूनी होंगी? बीजेपी के द्वारा खास समूहों पर की जा रही अति कल उनपर वापस भी हो सकती है– इसी को एक्शन का रिएक्शन कहा जाता है। वर्चस्व और अहंकार की इस लड़ाई में पूरे प्रदेश को आग में झोंका जा रहा है। आज भी गरीब जनता शिकार बन रही है, कल भी इसके शिकार गरीब ही होंगे। प्रशासन के गन कल्चर और ठोंक दो नीति से किसी समस्या का समाधान संभव नहीं है। अपराध गोली चलाने से नहीं, कानून के इकबाल से रुकते हैं। यूपी में गन का नहीं कानून का शासन बहाल किए जाने की जरूरत है।

बिपाशा बसु ने अपनी बेटी देवी के लिए बनाई रजाई

अभिनेत्री बिपाशा बसु ने मंगलवार को अपनी बेटी के एक साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अपने प्रशंसकों का दिल छू लिया। उन्होंने अपनी बेटी के लिए रजाई भी बनाई। बिपाशा के इंस्टाग्राम पर 14.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी देवी के साथ एक दिल छू लेने वाला रील शेयर किया। वीडियो में देवी, सफेद टी–शर्ट और नीली स्कर्ट पहने हुए, खुशी–खुशी चल रही है और अपने पसंदीदा कपड़ों से बनी रजाई पर खेल रही है। रजाइयों को देवी, मेड विद लव, बेबी बसु सिंह ग्रोवर, द प्रिंसेस हैज अराइव्ड, मम्मी. डैडी और गॉट इट फ्रॉम माई मामा जैसे विशेष संदेशों से सजाया गया है। पोस्ट को कैप्शन दिया गया है, प्यार से बनाया गया... हमारी देवी और अब देवी के पहले साल के कपड़ों से बनाई गई ये खूबसूरत स्मृति रजाइयां... यह सिर्फ प्यार है। बिपाशा ने अप्रैल 2016 में अभिनेता करण सिंह ग्रोवर के साथ शादी की थी। उनकी बेटी देवी का जन्म नवंबर 2022 में हुआ था।

दूसरी ओर, बिपाशा ने 2001 में अब्बास–मस्तान की एक्शन थ्रिलर 'अजनबी' में अक्षय कुमार के साथ एक नकारात्मक भूमिका के साथ अभिनय की शुरुआत की थी। फिल्म में करीना कपूर और बॉबी देओल भी थे। बिपाशा को विक्रम भट्ट की 2002 की अलौकिक हॉरर थ्रिलर राज से सफलता मिली। फिल्म में डिनो मोरिया मुख्य भूमिका में हैं। इसके बाद उन्होंने मेरे यार की शादी है, चोर मचाए शोर, जिस्म, जमीन, एतबार, नो एंट्री,ओमकारा, कॉर्पोरेट जैसी फिल्मों में काम किया। धूम 2, रेस, बचना ऐ हसीनों, राज 3 द थर्ड डाइमेंशन और वेलकम टू न्यूयॉर्क समेत कई अन्य फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट द्वारा लिखित और भूषण पटेल द्वारा निर्देशित क्राइम थ्रिलर सीरीज डेंजरस में देखा गया था। सीरीज में करण सिंह ग्रोवर भी हैं। यह एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीमिंग हो रही है। करण कितनी मस्त है जिंदगी, दिल मिल गए, झलक दिखला जा 3, दिल दोस्ती डांस, कुबूल है और कसौटी जिंदगी के 2 जैसे शो का हिस्सा रह चुके हैं। वह हेट स्टोरी 3, और भ्रम जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। करण को आखिरी बार सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित फाइटर में देखा गया था। वायाकॉम18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स द्वारा निर्मित, इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं।

> "बिपाशा के इंस्टाग्राम पर १४.१ मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी देवी के साथ एक दिल छू लेने वाला रील शेयर किया। वीडियो में देवी, सफेद टी-शर्ट और नीली स्कर्ट पहने हुए, खुशी-खुशी चल रही है और अपने पसंदीदा कपड़ों से बनी रजाई पर खेल रही है। रजाइयों को देवी, मेड विद लव, बेबी बसु सिंह ग्रोवर, द प्रिंसेस हैज अराइव्ड, मम्मी. डैडी और गॉट इट फ्रॉम माई मामा जैसे विशेष संदेशों से सजाया गया है।

कपिल शर्मा शो में आने के लिए अर्चना की फीस जानकर आप चौंक जाएंगे

कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दूसरा सीजन जल्द ही शुरु हो रहा है. 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो का पहला सीजन काफी सफल रहा था. इसके बाद अब दूसरा सीजन भी 21 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है. हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था जिसे काफी पंसद किया गया था.'द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीजन की शुरुआत से पहले कपिल शर्मा और उनकी टीम प्रमोशन में बिजी हैं. इसी बीच सभी कलाकारों ने सिद्धार्थ कन्नन को एक इंटरव्यू दिया. इस दौरान शो की जज अर्चना ने अपनी और अन्य कास्ट मेंबर्स की फीस को लेकर बड़ा खुलासा किया है. कपिल शर्मा के शो में अर्चना अपनी जोरदार हंसी से चार चांद लगा देती हैं. गुजरे दौर में बतौर एक्ट्रेस बॉलीवुड में काम करने वाली अर्चना की पहचान अब कपिल शर्मा के शो की जज के रुप में होती हैं. वे अपनी जोरदार हंसी के लिए काफी पॉपुलर हैं. उन्होंने सिद्धार्थ कन्नन संग इंटरव्यू में बताया कि उन्हें हंसने के लिए ही पैसे मिलते हैं. सिद्धार्थ कन्नन ने पहले कीकू शारदा से सवाल किया कि, क्या उन्हें इतनी मेहनत करने में बुरा लगता हैं. कपड़े पहनना, ज्यादा मेकअप करना, डायलॉग तैयार करना और मंच पर प्रदर्शन करना. जबकि अर्चना को बस बैठकर हंसने के लिए पैसे मिलते हैं. कीकू जवाब देते इससे पहले अर्चना ने कहा कि, 'पैसे ये लोग डबल ले जाते हैं. तो सही है न मेहनत करो भाई. मुझे हंसने के लिए पैसे मिल रहे हैं, और उन्हें उनकी मेहनत के लिए पैसे मिल रहे हैं. कुछ लोगों को उनकी सुंदरता के लिए पैसा मिलता है, दूसरों को उनके टैलेंट के लिए, लेकिन मुझे इन सबके लिए पैसा मिलता है.' सुनील ग्रोवर भी इस दौरान अर्चना की तारीफ करते हुए नजर आए. उन्होंने कहा कि, 'अर्चना जी का व्यक्तित्व संक्रामक है.' इसके बाद अपनी जोर से हंसने की आदत पर अर्चना ने काजोल और दीपिका पादुकोण जैसी मशहूर एक्ट्रेसेस का उदाहरण देते हुए बताया कि, 'बहुत सी महिलाएं जोर से हंसती हैं. मेरी हंसी सबसे अलग है क्योंकि मुझे शो में हंसने के कई मौके मिलते हैं।

आलिया-दिलजीत का गाना चल कुड़िए हर महिला के लिए एक पावर-पैक ट्रैक

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म जिगरा का ट्रैक चल कुड़िए साझा किया है। मंगलवार को आलिया ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला ट्रैक शेयर किया, जिसमें वह और अभिनेता–गायक दिलजीत दोसांझ नजर आ रहे हैं। आलिया ने वीडियो के साथ कैप्शन भी लिखा, चल कुड़िए। सिनेमाघरों में 11 अक्टूबर को जिगरा आ रहा है। इस गाने में हर उस महिला के लिए उम्मीद और शक्ति की थीम शामिल है, जो अपने जीवन में विभिन्न कठिनाइयों का सामना करती है। इस पावर–पैक ट्रैक की शुरुआत आलिया के डायलॉग से होती है, जो बाद में दिलजीत की मधुर आवाज के साथ जोश भर देता है जो श्चल कुड़िए, उठ कुड़िएश से शुरू होता है। इस गाने में आलिया ने काले रंग की टी–शर्ट पहनी हुई है, जिस पर फिल्म श्घरश का एक आइकॉनिक शॉट प्रिंट हुआ है, जिसमें बहन और भाई के बीच के रिश्ते को दर्शाया गया है। इस दौरान दिलजीत पूरे सफेद कपड़े में नजर आए। थोड़ी देर बाद आलिया अपनी मधुर आवाज में गाने के अगले हिस्से में शामिल होती हैं, जो गाने की ऊर्जा से पूरी तरह मेल खाता है। वीडियो की अवधि 2 मिनट और 58 सेकंड है और इसे आलिया भट्ट और दिलजीत दोसांझ ने अपनी शांत आवाज में खूबसूरती से गाया है और प्रसिद्ध कवि और गीतकार हरमनजीत सिंह द्वारा खूबसूरती से लिखा गया है। यह गाना सारेगामा म्यूजिक के यूट्यूब चौनल पर उपलब्ध है। बता दें कि आलिया भट्ट और दिलजीत ने चल कुड़िए के जरिए दूसरी बार एक साथ काम किया है। इससे पहले उन्होंने 2016 में आई अभिषेक चौबे की फिल्म उड़ता पंजाब में इक कुड़ी गाना गाया था। इस फिल्म में शाहिद कपूर, आलिया भट्ट, करीना कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिकाओं में थे। इस बीच, आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा के टीजर–ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर पूरी तरह से हलचल मचा दी है, क्योंकि प्रशंसक अब बड़े पर्दे पर आलिया का जादू देखने का इंतजार कर रहे हैं। आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 11 अक्टूबर, 2024 को राजकुमार राव–त्रिप्ति डिमरी अभिनीत–विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के साथ रिलीज होगी। निर्देशक वासन बाला द्वारा निर्देशित शजिगराश में वेदांग रैना, मनोज पाहवा, राहुल रवींद्रन और राहुल नंदा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वायाकॉम 18 स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस और इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत की गई है और करण जौहर, अपूर्व मेहता, आलिया भट्ट, शाहीन भट्ट और सोमेन मिश्रा द्वारा निर्मित है।

कंगना रनौत ने की जया बच्चन की भर-भरकर तारीफ, पहले साध चुकी हैं निशाना, कहा- वो हिंदी सिनेमा की सबसे

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। कंगना के निशाने पर हमेशा बॉलीवुड और उसकी खामियां रहती हैं। लेकिन बॉलीवुड की 1 एक्ट्रेस ऐसी भी हैं जो कंगना को काफी पसंद हैं। इतना ही नहीं कंगना रनौत ने इन एक्ट्रेस की जमकर तारीफ भी है। ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि जया बच्चन है। कंगना रनौत ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा कि जया बच्चन ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने बॉलीवुड में वूमन इंपावरमेंट का काम किया है। आज भी उनसे ज्यादा स्वाभिमानी एक्ट्रेस कोई और नहीं है। कंगना रनौत ने जया बच्चन की जमकर तारीफ की है। न्यूज 18 को दिए एक इंटरव्यू में जया बच्चन की तारीफ करते हुए कंगना ने कहा, 'जय बच्चन जी बॉलीवुड की एक शानदार एक्ट्रेस रही हैं। उनकी इंडस्ट्री में शाख ऊंचे दर्जे की है। लोग उन्हें जल्दी गुस्सा आने वाली महिला के तौर पर जानते हैं। लेकिन मैं ये बात पुख्ता कर उन्हें श्रेय देना चाहती हूं कि उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए काफी काम किया है। 70 के दशक में जब कड़ी धूप में एक्ट्रेस को झुलसना पड़ता था तब उन्होंने गुड्डी जैसी फिल्में की और महिलाओं को सशक्त करने का संदेश दिया। आज भी जया बच्चन एक स्वाभिमानी महिला हैं। वो जिस तरह से अपनी इमेज को बनाए रखती हैं और राज्यसभा में अपनी मौजूदगी दर्ज कराती हैं वह काफी प्रेरणादायक है। मैं काफी खुश हूं कि जया बच्चन जैसा इंडस्ट्री का रिप्रिजेंटेटिव हमारी संसद में अपनी बात रखता है।' बता दें कि जया बच्चन ने करीब 20 साल से कोई फिल्म नहीं की है। साल 1963 में सत्यजीत रे की फिल्म 'महानगर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस जया बच्चन ने कई शानदार फिल्मों में काम किया। आधा दर्जन से ज्यादा सुपरहिट फिल्में देने के बाद जया बच्चन ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था। हालांकि 2000 के दशक में करण जौहर के साथ कुछ दूसरे डायरेक्टर्स की फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2003 में आई फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' फिल्म में आखिरी बार जया बच्चन नजर आईं थीं। इसके बाद से जया बच्चन बड़े पर्दे से दूर हैं।

शर्मिली सी लड़की जो शाहरुख खान से करती थी फ्लर्ट! क्रिकेट की दुनिया में जमाई अपनी धाक, मंदिरा बेदी ने शेयर की अपनी कहानी

मंदिरा बेदी एक भारतीय अभिनेत्री, फैशन डिजाइनर,और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता हैं। 90 के दशक के लिए मंदिरा बेदी को बहुत अच्छे से जानते है और उनके आज तक के सफल को एक प्रेरणा समझते हैं क्योंकि डीडी वन पर आने वाले शो शांति की शांति आज भी कमाल की है। मंदिरा बेदी ने 1994 के टेलीविजन शो शांति में शीर्षक भूमिका निभाकर पहचान हासिल की। जो भारत के राष्ट्रीय चौनल दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ था। इसके अलावा वह काफी समय तक क्रिकेट की होस्टिंग की दुनिया से जुड़ी रही और भी काफी काम किया। 2019 में उन्होंने फिल्म साहो में एक खलनायिका की भूमिका निभाई। इसके अलावा मंदिरा बेदी ने मशहूर शो औरत, दुश्मन और क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसे कई हिंदी टीवी धारावाहिकों में भी अहम किरदार निभाया। अब मंदिरा बेदी हम सभी को एक थ्रोबैक रत्न दिखाने के लिए वापस आ गई हैं। अभिनेत्री और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता ने अपने बचपन के दिनों, किशोरावस्था और मॉडलिंग करियर की कुछ तस्वीरों को दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो डाला। पहली तस्वीर में एक युवा मंदिरा बेदी स्कूल की वर्दी पहने हुए कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके बाद की तस्वीरें उन्हें अलग–अलग मूड में दिखाती हैं। एक तस्वीर में, मंदिरा ने अपनी प्रतिष्ठित तीर बिंदी लगाई है। आखिरी कुछ तस्वीरें वर्तमान समय की हैं, जिसमें उन्हें छोटे बालों में देखा जा सकता है। हर तस्वीर –अतीत या वर्तमान, मंदिरा की कालातीत सुंदरता के बारे में बहुत कुछ कहती है। कैप्शन के बारे में सोचने में समय बर्बाद किए बिना शांति अभिनेत्री ने बस इतना लिखा,थ्रोबैक थर्सडे। अभिनेत्री मंदिरा बेदी ने टेलीविजन शो और फिल्मों से अपना करियर शुरू किया। सोनी टीवी के अधिकारियों के साथ एक आकस्मिक मुलाकात, जिसके दौरान उन्होंने क्रिकेट के प्रति अपने प्यार का इजहार किया, जिसके कारण वे 2003 क्रिकेट विश्व कप की एंकर बन गईं। हालांकि, यह अनुभव पूरी तरह से सुखद नहीं था। हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में, बेदी ने बताया कि उन्हें एंकर की भूमिका कैसे मिली और क्यों सोनी टीवी ने उन्हें ऑनलाइन खुद के बारे में टिप्पणियाँ पढ़ने से रोका।

समय से पहले होने वाले सफेद बाल होंगे काले, बस कर लें ये 2 काम फिर देखें जादू!

आजकल युवाओं में समय से पहले बाल सफेद की समस्या देखने को मिल रही है। आज के समय में उम्र में बड़े लोगों के ही बाल सफेद नहीं हो रहे हैं, बल्कि स्कून से लेकर कॉलेज को लोगों के बालों में सफेदी जा रही है। इसके पीछे वजह हो सकती है जरुरी पोषण नहीं मिल पा रहा है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे बालों को काले करने का कारगर उपाय आप इसे जरुर फॉलो करें।

आंवला का जूस का इस्तेमाल करें

आंवले के जूस का पीने के बजाय आप इसे बालों मे जरुर लगाएं। रोज रात को आंवले का ताजा जूस निकालें अपने बालों पर लगाएं और सो जाएं। अगले दिन इसे वॉश कर लें। गौरतलब है कि आंवला में विटामिन सी और प्रोटीन पाया जाता है, जो बालों को काला बनाए रखने के साथ–साथ उन्हें मजबूती और शाइन देने का काम करता है।

त्रिफला का यूज करें

त्रिफला एक आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी है। त्रिफला आपके गट्स को बूस्ट करते हैं, बॉडी को डिटॉक्स करता है और मेलेनिन को बनाने में मदद करता है। यह हमारे बालों को काला करता है। आपको बता दें कि, इसमें हरड़ और बहेड़ा (बिभीतकी) होता है, जो बालों को नेचुरली काला रखने की प्रॉपर्टी रखते हैं। इसलिए अगर आप अपने बालों पर त्रिफला का प्रयोग करते हैं तो बाल कभी भी सफेद नहीं होंगे।

बालों पर त्रिफला कैसे इस्तेमाल करें

सबसे पहले आप दही में आप त्रिफला मिला ले और साथ में मेथी दाना मिक्स करके बालों पर हेयर मास्क की तरह लगा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो पानी में त्रिफला को मिलाकर पेस्ट तैयार कर सकते हैं और फिर 10 मिनट बाद उससे मसाज करने के बाद हेयर वॉश कर सकते हैं। ये आपके बालों और स्कैल्प की हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

ग्लोइंग स्किन के लिए चेहरे पर लगाएं बादाम फेस पैक, जानें कैसे बनाएं?

खराब खानपान और गलत लाइफस्टाइल के कारण स्किन पर काफी बुरा असर पड़ता है। जिस वजह से चेहरे की चमक कहीं गायब हो जाती है। जिसते चलते आमतौर पर महिलाएं सैलून पर जाकर महंगे–महंगे स्किन ट्रीटमेंट कराती है और महेंग ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर रुपये खर्च करती है। लेकिन उनको यह नहीं पता प्राकृतिक रुप से स्किन को ग्लोइंग बनाया जा सकता है। ग्लोइंग और स्पॉटलेस स्किन पाने के लिए आपको कुछ ज्यादा नहीं करना। बस इस घरेलू उपाय को अपनाएं। आइए जानते है कैसे बनाएं बादाम फेस पैक।

बादाम फेस पैक के फायदे

बादाम में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। आप अपनी त्वचा को ग्लोइंग बनाने के लिए बादाम का प्रयोग कर सकते हैं। बादाम विटामिन ई से भरपूर होता है, जो स्किन के लिए फायदेमंद है। बादाम एंटी एजिंग गुण होते है जो चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइंस को कम करने में मदद करता है। बादाम फेस पैक लगाने से एक्ने, ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स और डार्क स्पॉट्स से भी राहत मिलती है।

कैसे बनाएं बादाम फेस पैक

बादाम फेस पैक बनाने के लिए आपको सबसे आसान तरीका बताने जा रहे हैं। आप दूध और बादाम को एक साथ पीस लें और गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। जब पेस्ट तैयार हो जाए फिर आप इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें, कुछ देर बाद पानी से साफ कर लें।

इन चीजों को भी फेस पैक में मिलाएं

बादाम के इस पैक के साथ आप शहद और मुल्तानी मिट्टी भी मिला लें। ऐसा करने से त्वचा में और निखार आएगा।

घर पर आसानी से बनाएं ढाबे स्टाइल पनीर की सब्जी

पनीर एक ऐसा व्यजंन है, जिसे अधिकतर लोग खाना पसंद करते हैं। आमतौर पर, इसे घर में कई तरह से बनाया जाता है। यहां तक कि, अगर घर में कोई मेहमान भी आने वाला होता है तो लोग पनीर अवश्य बनाते हैं। आपने भी अपने घर में पनीर की सब्जी को कई बार बनाया होगा। लेकिन अगर आपको वह स्वाद नहीं मिलता है, जो ढाबे की पनीर की सब्जी में होता है तो ऐसे में अब आपको इसे एक अलग अंदाज में बनाना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पनीर मसाला बनाने की ऐसी रेसिपी के बारे में बता रहे हैं, जिसे जानने के बाद हर कोई आपके कुकिंग स्किल्स की तारीफ करेगा–

आवश्यक सामग्री–

पनीर को मैरिनेड और फ्राई करने के लिए

– 15 बड़े पनीर क्यूब्स 250 से 300 ग्राम लगभग
– 1 छोटा चम्मच तेल मैरिनेशन के लिये
– 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
– 1 छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
– 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर
– 1/2 छोटा चम्मच नमक
– 1 बड़ा चम्मच पानी
– 1 छोटा चम्मच तेल तलने के लिये
– 1 छोटा चम्मच मक्खन तलने के लिये

टेंपरिंग के लिए

– 4 बड़े चम्मच तेल
– 2 चम्मच मक्खन
– 3 छोटे तेज पत्ते
– 1 छोटा चम्मच जीरा
– 3 छोटी सूखी लाल मिर्च
– 3 छोटी हरी मिर्च

सॉटे करने के लिए

– 1.5 कप प्याज छोटा हुआ
– 1 टेबल–स्पून अदरक–लहसुन का पेस्ट
– 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
– 2 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
– 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर
– 1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर
– 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
– 1 टेबल स्पून बेसन
– 2 कप टमाटर प्यूरी
– 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर
– 1/2 छोटा चम्मच चीनी
– 1.5 चम्मच नमक
– 2 चम्मच कसूरी मेथी
– 1 कप पानी
– 1/4 कप धनिया पत्ती

बनाने का तरीका–

सबसे पहले पनीर को बड़े टुकड़ों में या बड़े क्यूब्स में काट लें। अब इसमें तेल, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, नमक और पानी डालें। सभी तरफ से कोट करने के लिए अच्छी तरह मिलाएं और इसे 20 से 30 मिनट के लिए मैरिनेट करने के लिए रख दें। अब एक गहरे फ्राई पैन में तेल और थोड़ा मक्खन गरम करें। तेज पत्ता, जीरा, सूखी लाल मिर्च और हरी मिर्च के साथ तड़का लगाएं। इसे कुछ सेकंड के लिए पकाएं। अब इसमें एक चुटकी नमक के साथ कीमा बनाया हुआ प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। एक बार जब यह हल्का सुनहरा हो जाए, तो इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डालें और कुछ मिनट के लिए भूनें। हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, कश्मीर लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, बेसन, नमक और आधा कसूरी मेथी के पत्ते डालें। प्याज के मिश्रण को सभी मसाला पाउडर के साथ भूरा होने तक भूनें और एक सूखा गाढ़ा मसाला बन जाए। अब टमाटर प्यूरी के साथ गरम मसाला पाउडर, नमक और चीनी डालें। अब हरी मिर्च डालें और बाकी सूखी मेथी डालें। ढककर धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। जब टमाटर की प्यूरी पक जाए और गाढ़ी हो जाए, ग्रेवी की कंसिस्टेसी को एडजस्ट करने के लिए थोड़ा पानी डालें। अब एक दूसरे फ्राइंग पैन में तेल और थोड़ा मक्खन गरम करें। पनीर क्यूब्स रखें और एक दो मिनट के लिए शैलो फ्राई करें और बंद कर दें। इसे अलग रख दें। ध्यान दें कि इसे ज्यादा देर तक न तलें, इससे पनीर रबड़ जैसा हो जाएगा। अब तले हुए पनीर को तैयार ग्रेवी मे डालें और ढककर तब तक पकाएं जब तक कि ऊपर से तेल अलग न हो जाए। अंत में धनिया पत्ती से गार्निश करें। इसके ऊपर कुछ ताजी मलाई या क्रीम डालें। हालांकि, यह पूरी तरह से वैकल्पिक है।

पीरियड्स के दौरान श्राद्ध का खाना बनाना चाहिए या नहीं? यहां जानिए इस सवाल का जवाब

हमारे समाज में अलग–अलग रीति–रिवाजों को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं और हर किसी की इस पर अलग–अलग राय होती है। मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को श्राद्ध तर्पण के खाने के बारे में कई पारंपरिक मान्यताएं और धारणाए प्रचलित हैं, जो अलग–अलग समुदायों और संस्कृतियों में भिन्न हो सकती हैं। आइए जानते हैं कि महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान श्राद्ध तर्पण का खाना बनाना चाहिए या नहीं। हिंदू धर्म में कई जगहों पर माना जाता है कि मासिक धर्म के दौरान महिलाएं धार्मिक और पवित्र कार्यों में हिस्सा नहीं लेती हैं, जिसमें श्राद्ध तर्पण का भोजन बनाना या अन्य धार्मिक अनुष्ठान शामिल हैं। यह एक पारंपरिक धारणा है कि मासिक धर्म के समय महिला को कुछ विशेष धार्मिक कार्यों से दूर रहना चाहिए। कुछ समुदायों में यह मान्यता है कि मासिक धर्म के दौरान महिलाएं ''अशुद्ध'' मानी जाती हैं और इसलिए उन्हें श्राद्ध या किसी भी धार्मिक अनुष्ठान के दौरान खाना बनाने से परहेज करना चाहिए।

मासिक धर्म एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है, और इसके दौरान महिलाओं को आराम की आवश्यकता होती है। इस समय महिला को शारीरिक असुविधा हो सकती है, इसलिए उन्हें विशेष ध्यान और आराम की जरूरत होती है। यदि मासिक धर्म के दौरान महिलाएं श्राद्ध का खाना नहीं बनाना चाहती हैं, तो उन्हें इस बारे में अपने परिवार से बात करनी चाहिए और आराम को प्राथमिकता देनी चाहिए। मासिक धर्म के दौरान श्राद्ध तर्पण का खाना बनाना या अन्य धार्मिक कार्यों में भाग लेना एक व्यक्तिगत और पारिवारिक निर्णय होना चाहिए। यदि कोई महिला असहज महसूस करती है, तो उसे इसका पालन नहीं करना चाहिए, और परिवार के अन्य सदस्यों से सहयोग लेना चाहिए। परिवार में इस मुद्दे पर खुलकर बातचीत होनी चाहिए, ताकि महिलाओं के स्वास्थ्य और धार्मिक विश्वासों का सम्मान किया जा सके। परंपरा और धार्मिक विश्वासों का पालन व्यक्तिगत दृष्टिकोण पर निर्भर करता है, और इस पर सहमति बनाना जरूरी है।

क्या है विकल्प

मासिक धर्म के दौरान श्राद्ध तर्पण के खाने के बारे में निर्णय पूरी तरह से व्यक्तिगत और पारिवारिक होता है। पारंपरिक मान्यताओं का सम्मान किया जा सकता है, लेकिन महिलाओं के स्वास्थ्य और आराम को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ऐसे में यदि घर में कोई अन्य महिला है तो वह खाना बना सकती हैं। या फिर घर का लड़का भी खाना बना सकता है।

स्वाद बढ़ाने के चक्कर में जो लोग भोजन में अधिक नमक डालते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह आदत उनकी सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकती है। अत्यधिक नमक का सेवन हार्ट फेल से लेकर किडनी फेल जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है। आइए जानते हैं कैसे ज्यादा नमक खाना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और इसके दुष्परिणाम क्या हो सकते हैं।

नमक का स्वास्थ्य पर प्रभाव

नमक खाने से स्वाद तो बढ़ता है, लेकिन इसके अत्यधिक सेवन से कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। नमक में सोडियम और फ्लोराइड जैसे मिनरल्स होते हैं जो शरीर के लिए आवश्यक हैं, लेकिन इनकी अधिकता स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है। डॉक्टर स्वाति सिंह के अनुसार, अधिक सोडियम का सेवन शरीर में पानी की मात्रा को बढ़ाता है, जिससे ब्लोटिंग और पफीनेस की समस्याएं हो सकती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट पर असर

ज्यादा नमक खाने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे ब्लड प्रेशर हाई होने का खतरा बढ़ जाता है। हाई बीपी की स्थिति में हार्ट और किडनी पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे इन अंगों से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। लंबी अवधि तक इस स्थिति का सामना करने से हार्ट फेल और किडनी फेल जैसी गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं।

किडनी स्टोन का खतरा

अधिक नमक का सेवन किडनी स्टोन के जोखिम को भी बढ़ा देता है। नमक के कारण यूरिन में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है, जो यूरिक एसिड के साथ मिलकर क्रिस्टल बना देती है। ये क्रिस्टल बढ़ते हुए किडनी स्टोन का रूप ले लेते हैं, जो किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

कैल्शियम की कमी

ज्यादा नमक का सेवन कैल्शियम की कमी का कारण भी बन सकता है। अधिक नमक खाने से पानी की मात्रा बढ़ जाती है और बार–बार टॉयलेट जाने की आवश्यकता होती है, जिससे शरीर से आवश्यक मिनरल्स की कमी हो जाती है। कैल्शियम की कमी से हड्डियाँ कमजोर हो सकती हैं, हार्ट बीट प्रभावित हो सकती है और खून गाढ़ा होने की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।

अन्य स्वास्थ्य समस्याए

सिर्फ हार्ट और किडनी ही नहीं, ज्यादा नमक का सेवन बालों का झड़ना, हड्डियों का कमजोर होना, मोटापा, गुस्सा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का भी कारण बन सकता है। इसके अलावा, नमक का अत्यधिक सेवन हड्डियों को कमजोर करता है, जिससे फ्रैक्चर और हड्डी टूटने की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नमक की मात्रा को नियंत्रित रखना आवश्यक है। डब्लयूएचओ की सिफारिश के अनुसार, रोजाना केवल 3 ग्राम से कम नमक का सेवन किया जाना चाहिए। इससे न केवल आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, बल्कि आपको कई गंभीर बीमारियों से बचने में भी मदद मिलेगी।

संक्षिप्त

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने किया ऐसा पोस्ट, अनुपम मित्तल भी खुद को रिप्लाई करने से नहीं रोक सके

इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने एयरलाइन में अपने दो वर्ष पूरे कर चुके है। बीते दो वर्षों के दौरान वो भारत में ही रहे है। ऐसे में भारत में बिताए समय को लिंक्डइन पर एक पोस्ट शेयर किया है। पीटर एल्बर्स 2022 से भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन के शीर्ष पर हैं। भारत में अपने पेशेवर और व्यक्तिगत अनुभव पर विचार करते हुए पीटर एल्बर्स ने कहा कि यह देश अब उनका घर है। इंडिगो ने बीते कुछ सालों से तेजी से विकास हुआ है। पीटर एल्बर्स ने एयरलाइन की 2,000 से अधिक उड़ानों के रोजाना होने वाले संचालन का भी जिक्र किया। इंडिगो 430 से अधिक घरेलू और 100 अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर सेवाएं प्रदान करती है। उन्होंने लिखा, षपिछले महीने अपने 18वें इंडिगो जन्मदिन पर, हमने कई शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाया और आने वाले वर्षों के लिए अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि हमारी कहानी अभी शुरू हुई है। मैं अपने सहकर्मियों के साथ इस अविश्वसनीय इंडिगो यात्रा का हिस्सा बनकर आभारी और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ – 2,000 से अधिक दैनिक उड़ानों, 430+ घरेलू और 100+ अंतर्राष्ट्रीय मार्गों के साथ देश को पंख दे रहा हूँ, और हर दिन आगे बढ़ रहा हूँ।" पीटर एल्बर्स ने यह भी कहा कि वह भारत के साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, इंडिगो का हिस्सा होने और अब दो साल से भारत में रहने के कारण....इंडिगो और यह खूबसूरत देश भारत वास्तव में मेरा एक हिस्सा बन गए हैं। भारत अब घर जैसा लगता है। देश में अपने यात्रा अनुभवों के बारे में बात करते हुए उन्होंने लिखा, भारत का सार इसकी सुंदर विविधता में समाया हुआ है। हमारे 88 घरेलू शहरों में से, मुझे 30 में हमारी महान टीमों से मिलने का सौभाग्य मिला। दक्षिण में तिरुवनंतपुरम से लेकर उत्तर में लेह तक। मेरी सबसे हाल की यात्रा लेह की थी, जहाँ खारदुंग ला दर्रे पर 18,000 फीट की ऊँचाई पर अपने बेटे के साथ चलना बहुत ख़ास था, क्योंकि मेरी जड़ें ऐसे देश से हैं जहाँ सबसे ऊँची पहाड़ी केवल 300 मीटर ऊँची है और लगभग 25: भूमि समुद्र तल से नीचे है। उनके पोस्ट पर शादी डॉट कॉम के संस्थापक और सीईओ अनुपम मित्तल सहित कई उद्योग जगत के नेताओं की प्रतिक्रियाएं आईं, जिन्होंने लिखा, ष्आप भी अब घर वाले जैसे लगते हो

एडटेक फर्म ने करीब 100 कर्मचारियों को निकाला

बायजू के स्वामित्व वाले संस्थान आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने हाल के महीनों में कथित तौर पर 80 से 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। एनट्रैकर के सूत्रों के हवाले से दी गई रिपोर्ट की मानें तो वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारियों की छंटनी की गई है। रिपोर्ट में एक सूत्र ने कहा कि कंपनी ने वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारियों सहित 80–100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, जो इस छंटनी से प्रभावित हुए थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई दीर्घकालिक कर्मचारियों को भी हाल के सप्ताहों में नौकरी से निकाल दिया गया, जिनमें से कुछ की सेवा अवधि चार वर्ष से अधिक थी। एईएसएल के प्रवक्ता ने प्रकाशन को बताया, एक उच्च प्रदर्शन संगठन के रूप में, हमारी प्रदर्शन समीक्षा, प्रतिभा विकास हस्तक्षेप और परिणाम प्रबंधन एक अर्धवार्षिक चक्र का पालन करते हैं। कंपनी ने कहा कि हम आकाश 2.0 रणनीति के तहत नए बिजनेस मॉडल पेश कर रहे हैं, जिसमें नई भूमिकाएं बनाना, मौजूदा भूमिकाओं को मजबूत करना और नई प्रतिभाओं को आक्रामक तरीके से नियुक्त करना शामिल है। इस श्रेणी के अन्य खिलाड़ियों के विपरीत, हमें उम्मीद है कि इस साल के अंत तक हम नेट हायरर्स बन जाएंगे।" बता दें कि प्रवक्ता ने संस्थान में हाल ही में हुई छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों की विशिष्ट संख्या नहीं बताई। अप्रैल 2021 में बायजू द्वारा अधिग्रहित किए जाने के बाद से आकाश में नौकरियों में कटौती का यह पहला मामला है, जब बेंगलुरु स्थित एडटेक दिग्गज ने कंपनी में लगभग 940 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। हालाँकि, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के संस्थापक चौधरी परिवार ने प्रशासन से संबंधित चिंताओं का हवाला देते हुए अपनी शेष हिस्सेदारी का आदान–प्रदान नहीं करने का विकल्प चुना। इस वर्ष की शुरुआत में, आकाश और बायजू दोनों ने अपनी विलय याचिका वापस लेने का फैसला किया, जिससे उन्हें थिंक एंड लर्न ब्रांड के तहत स्वतंत्र रूप से काम करना जारी रखने की अनुमति मिल गई। अप्रैल में आकाश ने दीपक मेहरोत्रा को अपना प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी को वित्त वर्ष 2023 के लिए परिचालन राजस्व में 2,300 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। हालाँकि, इसने अभी तक वित्त वर्ष 2023 और 2024 के लिए ऑडिट किए गए वित्तीय विवरण प्रस्तुत नहीं किए हैं।

ऋषभ पंत के नाम हुए एक बड़ा रिकॉर्ड, एमएस धोनी के बाद ऐसा करने वाले बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज बने

19 सितंबर को चेन्नई के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में ऋषभ पंत 39 रन की पारी खेलकर आउट हो गए। लेकिन इस दौरान उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। पंत भारत के लिए दूसरे ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 से ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस लिस्ट में कई और खिलाड़ी भी हैं, लेकिन उनसे ज्यादा रन एक ही विकेटकीपर ने भारत के लिए बनाए हैं। वो एमएस धोनी हैं। भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन भारत के लिए बनाए हैं। उन्होंने 17092 रन इंटरनेशनल क्रिकेट की तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए एक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर बनाए। भारत के लिए अन्य कोई विकेटकीपर 400 से ज्यादा रनों तक अभी तक नहीं पहुंचा था, लेकिन अब ये रिकॉर्ड पंत के नाम दर्ज हो गया है।

कौन हैं हसन महमूद? जिन्होंने पहले टेस्ट में रोहित, गिल और कोहली को बनाया अपना शिकार

भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंतो ने पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। वहीं मुकाबले की शुरुआत में तेज गेंदबाज हसन महमूद ने भारत को 10 ओवर के अंतर 3 झटके दे दिए। हसन ने रहले कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली को पवेलियन भेज दिया। बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को उसी की जमीन पर 2–0 से हराकर भारत दौरे पर आई है। दूसरी ओर भारतीय टीम 6 महीने बाद टेस्ट सीरीज खेल रही है। ऐसे में हसन महमूद के 3 विकेट झटकने से बांग्लादेश का आत्मविश्वास और बढ़ा होगा। हसन की बात करें तो वह 140 किलोमीटर प्रतिघंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंद फेंकते हैं। उन्हें लक्ष्मीपुर एक्सप्रेस के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि, हसन महमूद अपनी तेज गति के साथ गेंद को मूव करकर से बल्लेबाजों को चकमा देते हैं। ये तेज गेंदबाज लोड–अप के दौरान बहुत ही कम छलांग लगाता है। वह 90 के दशक के कुछ कैरेबियाई तेज गेंदबाजों की तरह लंबे कदम रखते हैं। रोहित शर्मा के विकेट की बात करें तो ऑफ स्टंप के आसपास से गुड़ लेंत की गेंद पर सीम होकर बार की तरफ गई। रोहित शर्मा के बल्ले का किनारा लेकर गेंद नजमुल हुसन शंतो के पास दूसरी स्लिप में गई। गिल सात गेंदों के बाद भी अपना खाता नहीं खोल पाए थे। उन्होंने एक फुल गेंद को लेग साइड में फ्लिप करने का प्रयास किया, जिसे लिटन दास ने लपका। जबकि कोहली भी रोहित की तरह ऑफ स्टंप की बाहर की गेंद को खेलने के प्रयास में आउट हुए। उन्होंने लिटन दास को कैच दिया।

अश्विन और जडेजा ने दिखाया भारतीय टॉप-ऑर्डर को आईना, तोड़ दिया 24 साल पुराना ऐतिहासिक रिकॉर्ड

चेन्नई के मैदान पर भारत और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दिन भारतीय टीम ने 144 के स्कोर पर अपने 6 विकेट गंवा दिए थे, यहां से अश्विन और जडेजा ने टीम की पारी को संभालते हुए 7वें विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। वहीं अश्विन टेस्ट में अपना 15वां अर्धशतक भी लगाने में कामयाब हुए। भारत और बांग्लादेश के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 19 सितंबर से चेन्नई के एमए. चिदंबरम स्टेडियम में आगाज हो गया। सीरीज के पहले टेस्ट मुकाबले में बांग्लादेश टीम के कप्तान ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला लिया जिसे उनके गेंदबाजों ने लगभग सही भी साबित किया। भारतीय टीम ने पहले दिन के दूसरे सत्र तक 144 के स्कोर तक 6 विकेट गंवा दिए थे, जिसमें सिर्फ यशस्वी जायसवाल के बल्ले से 56 रनों की पारी देखने को मिली थी। वहीं इसके बाद रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने टीम को इस गंभीर स्थिति से निकालने के साथ 7वें विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी भी कर दी।

अश्विन और जडेजा ने मिलकर तोड़ दिया 24 साल पुराना रिकॉर्ड विचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा जिस समय मैदान पर बल्लेबाजी करने उतरे थे तो उस भारतीय टीम पर बांग्लादेश के गेंदबाजों का दबाव साफतौर पर देखने को मिल रहा था। इसके बाद अश्विन ने आक्रामक रुख अपनाते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों पर अटैक करना शुरू किया। जडेजा ने भी उनका बखूबी साथ दिया और जल्द ही टीम का स्कोर 200 रनों के पार भी पहुंच गया। दोनों ने मिलकर जहां 7वें विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की तो वहीं 24 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भारत की तरफ से इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ 7वें विकेट के लिए सबसे अधिक रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड सौरव गांगुली और सुनील जोशी के नाम पर था, जिन्होंने साल 2000 में ढाका टेस्ट मैच में 121 रनों की साझेदारी की थी, जिसे अब अश्विन और जडेजा की जोड़ी ने पीछे छोड़ दिया है। साल 2021 के बाद से टेस्ट भारतीय टीम के निचलेक्रम ने बल्ले से निभाई अहम भूमिका टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए साल 2021 से लेकर अब तक भारतीय टीम के निचलेक्रम का काफी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है,

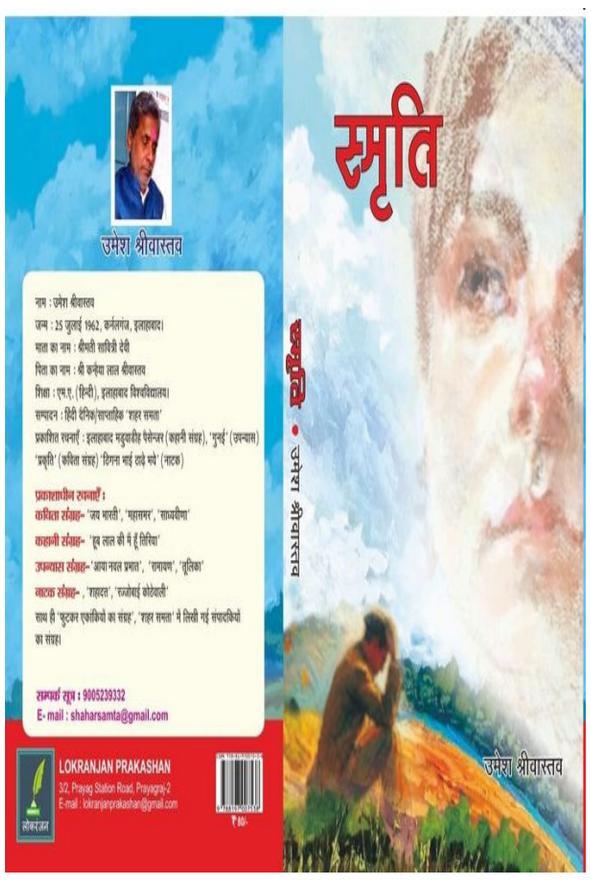

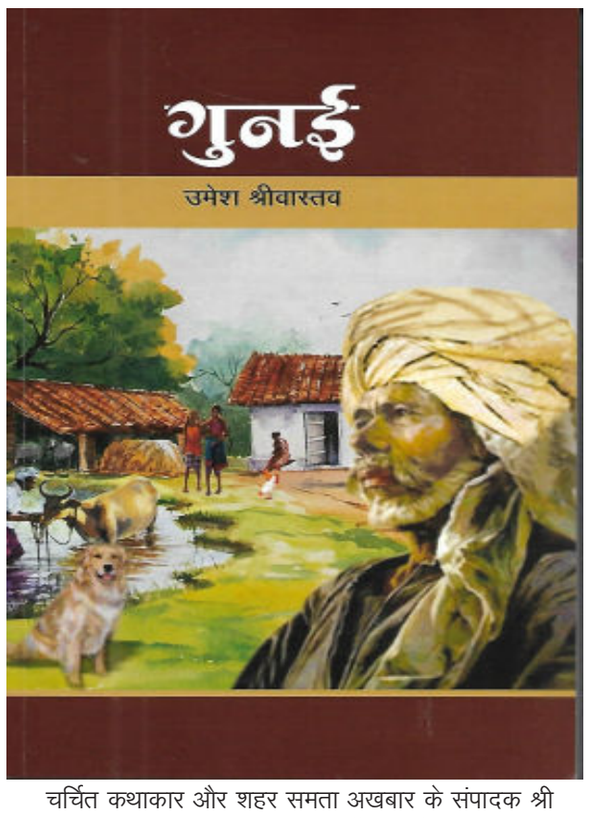

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

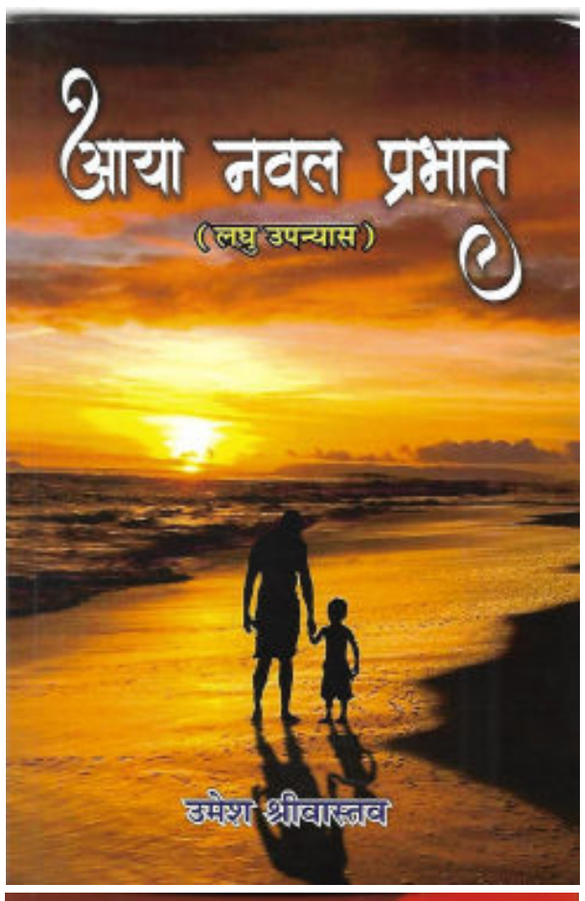

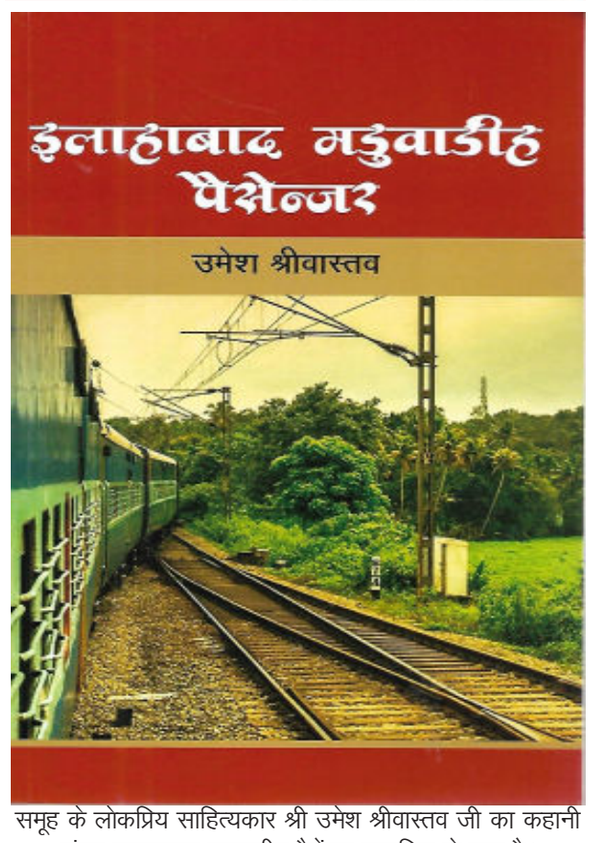

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

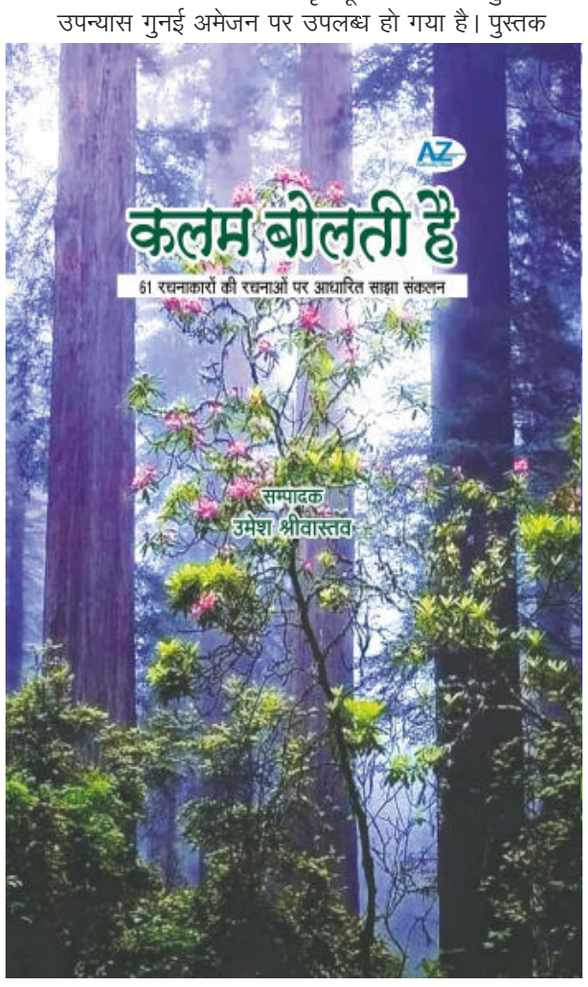

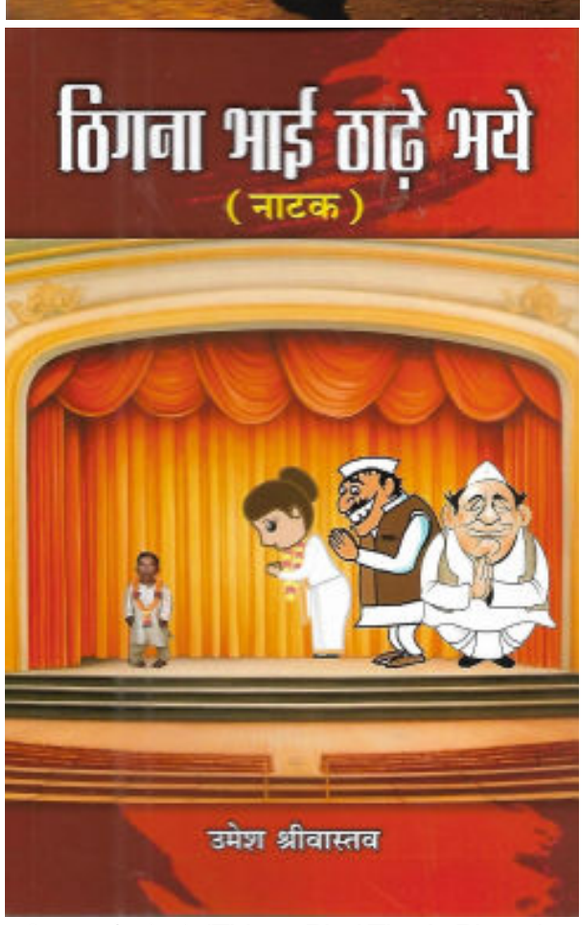

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

संवैधानिक संशोधनों का उद्देश्य तीन शीर्ष अधिकारियों को सेवा विस्तार देना : इमरान खान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को आरोप लगाया कि सरकार फरवरी में हुए आम चुनावों में धांधली की जांच पर पर्दा डालने के लिए तीन शीर्ष अधिकारियों की सेवा अवधि बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन पर काम कर रही है। खान, उच्चतम न्यायालय से पाकिस्तान

तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को जीत से वंचित करने के लिए चुनाव में हुई हेरफेर और नौ मई, 2023 को हुई हिंसा में उनकी पार्टी को फंसाने के लिए साजिश रचने के आरोपों की जांच की मांग कर रहे हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद खान ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि पिछले चुनावों में हार के बावजूद सरकार चुनाव परिणामों में हेरफेर पर अब अपने बचाव और सत्ता में बैठे अधिकारियों को बचाने के लिए इन संशोधनों का सहारा ले रही है। खान ने कहा, "वे (सरकार) अपने तीन प्यादों के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन कर रहे हैं।" पूर्व प्रधानमंत्री खान ने कहा कि उनका मतलब प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान रजा से था। खान ने चेतावनी दी कि अगर प्रधान न्यायाधीश ईसा को हटाया जाता है तो नौ मई को हुए विरोध प्रदर्शनों और चुनावों में कथित धांधली की जांच शुरू हो जाएगी। खान ने सरकार पर उनकी पार्टी को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर नये प्रधान न्यायाधीश पदभार ग्रहण करते हैं तो नौ मई की घटना की वास्तविकता सामने आ जाएगी।

पाकिस्तान के 'ब्रिक्स' में शामिल होने के प्रयास का समर्थन करेगा रूस

रूस ने बुधवार को कहा कि वह 'ब्रिक्स' में शामिल होने के पाकिस्तान के प्रयास का समर्थन करेगा। रूस ने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार व सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देकर अपने संबंधों को और मजबूत करने का फैसला किया है। रूस के उपप्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के साथ वार्ता के बाद संवाददाताओं से कहा,

"हमें खुशी है कि पाकिस्तान ने (सदस्यता के लिए) आवेदन किया है। ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन मित्रवत संगठन हैं। हम इसका समर्थन करेंगे।" रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने ओवरचुक के हवाले से बताया, "पिछले एक वर्ष में हमने ब्रिक्स का महत्वपूर्ण विस्तार देखा है और दुनिया भर के देश इसमें शामिल होने में बहुत रुचि दिखा रहे हैं।" ब्रिक्स की स्थापना 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन द्वारा की गई थी। दक्षिण अफ्रीका 2011 में इसमें शामिल हुआ था। एक जनवरी, 2024 को मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और इथियोपिया इसके पूर्ण सदस्य बन गए।

अमेरिका : ट्रंप की रैली के निकट कार में विस्फोटक मिलने की फर्जी खबरें फैलीं

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की न्यूयॉर्क में प्रस्तावित रैली के निकट एक कार में विस्फोटक पाए जाने की फर्जी सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए लॉन्ग आइलैंड के अधिकारियों ने बुधवार को सोशल मीडिया पर से इस तरह के सभी पोस्ट हटा दिये। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप की यूनियनडेल के नासाउ कोलिजीयम में होने वाले प्रचार अभियान कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले ही कार में विस्फोटक की झूठी खबरें प्रसारित होने लगीं। नासाउ काउंटी के पुलिस आयुक्त पैट्रिक राइडर ने बताया कि पुलिस ने रैली स्थल के पास एक व्यक्ति से पूछताछ कर उसे हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध संभवतः बम खोजी कुत्ते को प्रशिक्षण दे रहा था और उसने ही विस्फोटक मिलने की झूठी सूचना फैलाई थी।

क्वाड पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हुआ है : अमेरिका

अमेरिका ने बुधवार को कहा कि डेलावेयर में होने वाला आगामी क्वाड शिखर सम्मेलन यह दर्शाएगा कि चार देशों का यह समूह पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास 'व्हाइट हाउस' के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार निदेशक जॉन किर्बी ने वाशिंगटन में संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हमारा मानना घ्छै कि इस शिखर सम्मेलन में आप यह देखेंगे कि क्वाड पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से एकजुट और अधिक प्रासंगिक हुआ है।" किर्बी ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब राष्ट्रपति जो बाइडन शनिवार को डेलावेयर के विलमिंगटन में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के अन्य तीन सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के नेताओं के साथ वार्ता करने वाले हैं। किर्बी ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका के राष्ट्रपति अपने गृहनगर विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। किर्बी ने कहा कि जो बाइडन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस से अलग–अलग मुलाकात करेंगे तथा बाद में एक पूर्ण अधिवेशन में उनसे चर्चा करेंगे।

'हम सरकार बनाने जा रहे', श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एनपीपी नेता दिसानायके का बड़ा दावा

कोलंबो। श्रीलंका में अगले हफ्ते राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इसी को लेकर सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इस बीच, नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अनुरा कुमार दिसानायके ने आगामी चुनाव के लिए अपना अभियान पूरा कर लिया है। उन्होंने दावा किया है कि वह इस साल का चुनाव जीतने जा रहे हैं। बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए 21 सितंबर को मतदान होना है। ऐसे में 48 घंटे पहले यानी बुधवार को प्रचार अभियानों पर रोक लगा दी गई है। मतदान शनिवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक 13,400 से अधिक मतदान केंद्रों पर होगा। यहां 1.7 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं।

निश्चित रूप से बनाएंगे सरकार

जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के नेता दिसानायके ने कोलंबो के घनी आबादी वाले नुगेगोडा में अपनी अंतिम रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी जीत सुनिश्चित है। हम 22 सितंबर की सुबह राष्ट्रपति पद पर जीत हासिल कर निश्चित रूप से सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी एनपीपी जीत के बाद संपूर्ण शासन और सामाजिक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने यह भी कहा, हमारे पास तमिल और मुस्लिम अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों के लोगों का अविश्वसनीय समर्थन है। हमारी सरकार एक सच्ची श्रीलंकाई सरकार होगी, जो कठिन संघर्षों के वर्षों के दौरान केवल एक सपना ही रह गई थी।

क्या है एनपीपी और जेवीपी में रिश्ता?

गौरतलब है, दिसानायके नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के प्रमुख हैं, जो समान विचारधारा वाले समूहों का गठबंधन है। लेकिन वह मुख्य रूप से 2014 से जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं, जो श्रीलंका का सबसे प्रभावशाली मार्क्सवादी संगठन है, जिसने 1971 और 1987–90 में राज्य की सत्ता पर कब्जा करने के लिए खूनी विद्रोह किए थे। उत्तर कोरिया ने 1971 के विद्रोह का सक्रिय रूप से समर्थन किया था, जिसे भारत सहित कई देशों की मदद से श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कुचल दिया था, जिससे दोनों पक्षों में हजारों लोग मारे गए थे।

दो दिन के लिए लगी चुनाव प्रचार पर रोक

देश में शनिवार को होने वाले चुनाव से पहले जमकर प्रचार–प्रसार किया जा रहा था। आज और कल चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं है। ऐसे में पहले ही प्रचार अभियान को पूरा कर लिया गया। श्रीलंका में एक नया राष्ट्रपति पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना जाएगा, जो 73 वर्षों में आए सबसे खराब आर्थिक संकट के बाद पहला चुनाव होगा।

क्या बोले विक्रमसिंघे?

तीन प्रमुख उम्मीदवारों में से एक, वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को अपनी रैली के दौरान कहा कि आईएमएफ सुधार के तहत आर्थिक सुधार का वर्तमान कार्यक्रम देश को एक और दिवालियापन में जाने से बचाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 75 साल के नेता ने कहा, मैं युवा पीढ़ी के लिए एक भविष्य बनाना चाहता हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि श्रीलंका कर्ज लेने और कर्ज में डूबने पर निर्भर नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दिसानायके और साजित प्रेमदासा की नीतियों से एक और आर्थिक मंदी आएगी। लोगों को आर्थिक सुधार को बनाए रखने के लिए बुद्धिमानी से मतदान करना चाहिए। वहीं, प्रेमदासा ने अपनी अंतिम रैली में कहा कि वह 20 लाख से अधिक मतों के बहुमत से जीतेंगे। वह आर्थिक समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेंगे। साथ ही आर्थिक संकट से प्रभावित लोगों को रियायतें देंगे।

कनाडा ने इस साल अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 35 फीसदी कम वीजा दिए, ट्रूडो का एलान- अगले साल और कम करेंगे

ओटावा। कनाडा ने अप्रवासन नियमों में सख्ती करते हुए अप्रवासी कामगारों की संख्या पर लगाम लगाई है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय छात्रों को जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या भी कम की गई है। गौरतलब है कि कनाडा ने इस साल यानी 2024 में 35 फीसदी कम 4,85,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वीजा जारी किए हैं। अगले साल कनाडा सरकार इसमें भी 10 प्रतिशत की कटौती कर इसे 4,37,000 करने का एलान कर चुकी है।

ट्रूडो का अप्रवासन में और कटौती का एलान

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हम इस साल 35 प्रतिशत

कम अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कनाडा आने की इजाजत दे रहे हैं। अगले साल इन नंबर्स में भी 10 फीसदी की कमी की जाएगी। हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अप्रवासन एक फायदेमंद चीज हैं, लेकिन जब कुछ लोग इस व्यवस्था का गलत फायदा उठाते हैं और छात्रों को दिए लाभ का इस्तेमाल करते हैं तो हम उन पर लगाम भी लगाते हैं। कनाडा के अप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने कनाडा आने वाले अप्रवासियों की संख्या पर लगाम लगाने के लिए कई और कदम उठाने का एलान किया।

कनाडा में बढ़ रहा अप्रवासियों का विरोध

दरअसल कनाडा में स्थानीय लोग अब अप्रवासियों का विरोध कर रहे हैं। कनाडा में घर खरीदना, स्वास्थ्य सेवाएं अब काफी महंगी हो गई हैं। स्थानीय लोग इसकी एक वजह अप्रवासियों को भी मानते हैं। साथ ही नौकरी के घटते अवसर भी अप्रवासियों के विरोध की वजह बने हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अप्रवासी छात्र वीजा का दुरुपयोग करते हैं। यही वजह है कि विरोध के बीच कनाडा सरकार ने भी अब अप्रवासन पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए हैं। कनाडा में सत्ताधारी लिबरल सरकार का विरोध भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि ट्रूडो सरकार भी अप्रवासन पर रोक लगाकर मतदाताओं की नाराजगी को दूर करने की कोशिश कर रही है।

एनएसए डोभाल के खिलाफ पन्नू ने दर्ज कराया केस, यूएस कोर्ट ने जारी किया भारत सरकार को समन

कनाडा के खालिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इस मामले में अमेरिकी अदालत ने भारतीय सरकार को सम्मन भेजा है। सीबीसी न्यूज़ के अनुसार, भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य के खिलाफ़ एक अमेरिकी संघीय जिला अदालत में दीवानी मुकदमा दायर किया गया है। खालिस्तानी अलगावादी की तरफ से भारतीय अधिकारियों के खिलाफ़ कथित हत्या के प्रयास के लिए हर्जाने का दावा किया गया है। इसके साथ ही कहा गया है कि इस कथित हत्या के प्रयास को अमेरिका ने 2023 में विफल कर दिया था। मुकदमे में खालिस्तान समर्थक आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की मौत में भारत की संलिप्तता का भी आरोप लगाया गया है। गौरतलब है कि खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस के महाधिवक्ता द्वारा लगाए गए आरोप अदालत में साबित नहीं हुए हैं और वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मुकदमे में पन्नून ने आरोप लगाया कि निज्जर की हत्या में शामिल बंदूकधारियों ने खालिस्तान समर्थक आतंकवादी को हुत करीब से 34 बार गोली मारी। पन्नून के वकील मैथ्यू बोर्डेन ने कनाडाई समाचार आउटलेट को बताया कि निज्जर को मारने में सफल रहे और यही बात पन्नुन के साथ भी होती। वकील ने आगे कहा कि गुप्ता ने जिस व्यक्ति को काम पर रखने रखा था वो एक अंडरकवर अमेरिकी एजेंट था। निज्जर की 18 जून, 2023 को एक सिख गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद, चार भारतीय नागरिकों पर प्रथम श्रेणी की हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। इस हत्या ने भारत और कनाडा के बीच एक बड़े कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2023 में संसद को बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी ने हत्या को भारत सरकार से जोड़ा है, जिसके बाद मामला और बिगड़ गया। भारत ने निज्जर और पन्नुन दोनों मामलों में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया और कनाडाई प्रधानमंत्री के आरोपों को बेतुका बताया।

इजरायल ने बिछा दी लाशें, पेजर अटैक के बाद अब लेबनान में एक साथ फटे वॉकी-टॉकी

लेबनान में पेजर में हुए धमाकों के एक दिन बाद अब इजरायल की तरफ से नए अटैक की बात सामने आ रही है। लेबनान में उस वक्त फिर से हड़कंप मच गया जब हिज़बुल्लाह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले रेडियो (वॉकी–टॉकी) में विस्फोट हो गया। अब हिजबुल्ला के कि कब किस चीज से टॉकी में विस्फोट से गई है और 450 से गए हैं। इससे ठीक एक सदस्यों द्वारा इस्तेमाल अचानक विस्फोट होने थी। इस विस्फोट में कम 12 लोग मारे गए घायल हुए हैं। इससे और एक साल पहले के बाद से इज़रायल व्यापक युद्ध की पेजर विस्फोटों को से कोई बयान सामने

आतंकवादी दहशत में हैं विस्फोट हो जाए। वॉकी 20 लोगों की मौत हो ज्यादा लोग घायल हो दिन पहले हिज्बुल्ला किए गए सैकड़ों पेजर में से अफरा तफरी मच गई दो बच्चों सहित कम से और लगभग 2,800 अन्य तनाव और बढ़ गया है शुरू हुई भीषण लड़ाई और हिज़बुल्लाह के बीच संभावनाएँ बढ़ गई हैं। लेकर इज़राइल की तरफ नहीं आया है। लेकिन वॉकी–टॉकी विस्फोटों के बाद लेबनान से नए वॉर फ्रंट की घोषणा कर दी गई है। इज़राइली सैनिकों से बात करते हुए, इज़राइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा हम युद्ध के एक नए चरण की शुरुआत में हैं। इस हमले के बाद इजरायल और लेबनान दोनों ही एक दूसरे को लेकर और अधिक सतर्क हो गए हैं, लेकिन फिलहाल सीमाओं पर कोई बड़ा फेरबदल नहीं देखने को मिला है।इजरायल लेबनान बॉर्डर पर फोर्स बैलेंस पहले की ही तरह है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस हमले का कोई बड़ा

अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश? ईरानी हैकर्स ने डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान में लगाई सेंध

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में विदेशी दखल का खुलासा हुआ है। दरअसल अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई की जांच में पता चला है कि ईरान के हैकर्स ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान में सेंध लगाई है और ट्रंप के प्रचार अभियान के दस्तावेज चुराकर उन्हें जो बाइडन की प्रचार अभियान टीम के साथ साझा किया। घटना जून–जुलाई की है और अब जो बाइडन राष्ट्रपति पद की रेस से हट गए हैं और उनकी जगह कमला हैरिस डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। अमेरिकी सरकार ने एक बयान जारी कर कहा है कि हैकर्स ने जून के अंत और जुलाई की शुरुआत में जो बाइडन के प्रचार अभियान से जुड़े लोगों को कुछ ईमेल भेजे थे। इन ईमेल्स में डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान के दस्तावेजों से चुराई गई जानकारी भी संलग्न थी। ईरान पर पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में दखल देने के आरोप लग रहे हैं। अब जांच में इसकी पुष्टि होने के बाद अमेरिका का न्याय विभाग इस मामले में आरोप तय करने की तैयारी कर रहा है। मामले की जांच कर रही एफबीआई का कहना है कि यह हैकिंग मतदाताओं के चुनाव में विश्वास को कमजोर करने और अराजकता फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। ट्रंप की प्रचार अभियान टीम ने बीती 10 अगस्त को दावा किया था कि उन पर साइबर हमला हुआ है और ईरान के हैकर्स पर आरोप लगाए गए। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि संवेदनशील जानकारी चुराकर कई न्यूज चौनल्स को भी भेजी गई थी। हालांकि इन न्यूज चौनल्स ने एफबीआई को हैकर्स द्वारा भेजे गए दस्तावेजों की जानकारी देने से मना कर दिया। जो जानकारी भेजी गई है,

सिंगापुर में पुलिस अधिकारियों और चिकित्सक से अभद्रता के मामले में भारतीय मूल के व्यक्ति पर जुर्माना

सिंगापुर के एक अस्पताल में उपचाराधीन भारतीय मूल के व्यक्ति पर एक सुरक्षा अधिकारी, पुलिस अधिकारियों और उसका उपचार कर रहे चिकित्सक के साथ अभद्रता करने के आरोप में सात हजार सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, मोहनराजन मोहन (30) ने बुधवार को उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के तहत दो आरोपों में दोष स्वीकार कर लिया। राज्य अभियोजन अधिकारी ए. मजीद यूसुफ ने बताया कि 14 अप्रैल को मोहनराजन को बेहोशी की हालत में 'टैन टॉक सेंग' अस्पताल ले जाया गया था। अस्पताल के दुर्घटना एवं आपातकालीन विभाग में चिकित्सकों के जांच करते समय उसे होश आ गया। अभियोजक ने कहा कि मोहनराजन नशे में था। उसने अस्पताल से छुट्टी देने पर जोर दिया और चिकित्सक तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ गाली–गलौज शुरू कर दी। इस दौरान उसे शांत कराने पहुंचे एक सहायक पुलिस अधिकारी से भी मोहनराजन ने अभद्र का प्रयोग किया। आपातकालीन विभाग से बाहर ले जाते समय भी वह सहायक पुलिस अधिकारी पर चिल्लाता रहा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।